सांध्य दैनिक 4PM

जो छोटी-छोटी बातों में सच को गंभीरता से नहीं लेता है, उस पर बड़े मसलों में भी भरोसा नहीं किया जा सकता।
-अल्बर्ट आइंस्टीन

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 10 ● अंकः 211 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शनिवार, 7 सितम्बर, 2024

असंवेदनशीलता की शिकार हो रहीं... 7 | मुद्दों में रंगने लगी जम्मू-कश्मीर की... 3 | हरियाणा में जो भाजपा को हराएगा... 2

पहलवानों के चुनाव लड़ने के एलान से हरियाणा में सियासी तूफान

- विनेश व बजरंग के कांग्रेस में शामिल होने पर तिलमिलाई बीजेपी
- बृजभूषण बोले- रेसलरों का इस्तेमाल कर रही कांग्रेस
- कांग्रेस बोली- जो गलत करता है बीजेपी उसके साथ होती है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। हरियाणा विधानसभा चुनाव में पहलवान विनेश फोगट और बजरंग पुनिया की कांग्रेस में एंट्री से सियासी माहौल गर्म हो गया है। बीजेपी और कांग्रेस आमने-सामने आ गए हैं। बीजेपी कांग्रेस के दांव से घबराई हुई है। सबसे तीखी प्रतिक्रिया भाजपा के पूर्व सांसद बृजभूषण ने की। उन्होंने कहा कि पहलवानों का नहीं कांग्रेस का आंदोलन था।

पहलवान विनेश फोगट और बजरंग पुनिया के कांग्रेस में शामिल होने पर पूर्व डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष और भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह भड़क गए। उन्होंने कहा कि विनेश और बजरंग ने राजनीति के लिए बेटियों का इस्तेमाल किया, बेटियों को बदनाम किया। वे बेटियों के सम्मान के लिए नहीं लड़ रहे थे, वे राजनीति के लिए लड़ रहे थे। इस पर पलटवार करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि जो गलत करता है बीजेपी उसके साथ होती है।

भाजपा में बगावत जारी, 72 और नेताओं के इस्तीफे

विधानसभा चुनाव के टिकट के लिए भाजपा में चार सितंबर से शुरू हुई बगावत थमने का नाम नहीं ले रही। तीसरे दिन भी पदाधिकारियों का इस्तीफा देने का सिलसिला और विरोध जारी रहा। पार्टी के 72 नेताओं और सदस्यों ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया। उधर, भाजपा ने अलग-अलग स्तर पर रूठों को मनाना शुरू कर दिया है। पूर्व मंत्री कर्णदेव कांबोज को दिल्ली बुलाया गया है। सावित्री जिंदल भी दिल्ली पहुंच गई हैं। वह भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात कर सकती हैं। उनके शनिवार देर रात या रविवार को हिसार वापस आने की संभावना है। सावित्री जिंदल के समर्थक अब उनके अगले आदेश का इंतजार कर रहे हैं।

मेरे और पीएम मोदी के खिलाफ की गई थी साजिश : बृजभूषण

कुश्ती संघ अध्यक्ष और भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि 18 जनवरी 2023 में जब जंतर-मंतर पर धरना शुरू हुआ था तो मैंने पहले दिन कहा था कि यह खिलाड़ियों का आंदोलन नहीं है, इसके पीछे कांग्रेस है। विशेषकर भूपेंद्र हुड्डा, प्रियंका गांधी, राहुल गांधी। उन्होंने कहा कि आज यह बात सच साबित हुई कि इस पूरे आंदोलन में जो हमारे व पीएम मोदी के खिलाफ षड्यंत्र के तहत किया गया उसमें कांग्रेस शामिल थी और इसका नेतृत्व भूपेंद्र हुड्डा कर रहे थे। मैं हरियाणा के लोगों को बताना चाहता हूं कि भूपेंद्र हुड्डा, दीपेंद्र हुड्डा, बजरंग या विनेश, ये लोग लड़कियों के सम्मान के लिए (धरने पर) नहीं बैठे थे। इनके कारण हरियाणा की बेटियों को शर्मिंदगी उठानी पड़ रही है। इसके लिए हम जिम्मेदार नहीं हैं, इसके लिए भूपेंद्र और दीपेंद्र और ये प्रदर्शनकारी जिम्मेदार हैं।

दबदबा और दबंगई ईश्वर की दी हुई है

बृजभूषण ने आगे कहा, जाट राजनीति हमारे साथ है, मैंने कोई गलती नहीं है कि मुझे कोई अफसोस हो, जब उनसे पूछा गया कि क्या वो हरियाणा में प्रचार करने जाएंगे तो उन्होंने कहा, अगर पार्टी भेजेगी तो मैं जाऊंगा, अपनी दबंग इमेज को लेकर उन्होंने कहा कि दबदबा और दबंगई ईश्वर की दी हुई है और यह हमेशा रहेगी।

हम अपनी बेटियों के साथ खड़े थे खड़े हैं और खड़े रहेंगे : पवन

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा, यह आज की बात नहीं है। आजादी के आंदोलन में भी कांग्रेस अंग्रेजों के खिलाफ खड़ी थी और बीजेपी अंग्रेजों के साथ खड़े थे। जो गलत करता है बीजेपी उसके साथ होती है और वो बीजेपी के साथ होता है। जिसके साथ गलत होता है कांग्रेस उसके साथ होती है और आवाज उठाती है। 6 खिलाड़ियों ने बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई थी। हमें गर्व है कि हम (कांग्रेस) अपनी बेटियों के साथ खड़ें थे, खड़े हैं और खड़े रहेंगे।

आप और कांग्रेस में सीटों पर फंसा पेंच

हरियाणा विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) अकेले चुनाव लड़ने की योजना बना रही है। पार्टी रविवार को अपनी पहली लिस्ट भी जारी कर सकती है। आम आदमी पार्टी 50 सीटों पर चुनाव लड़ सकती है। इससे पहले कांग्रेस आम आदमी पार्टी (आप) के साथ भी सीट बंटवारे पर बातचीत चल रही थी। शुक्रवार को दोनों पार्टियों के बीच सीट-बंटवारे पर सहमति नहीं बन पाई थी, इसके बाद से कयास लगाए जा रहे कि हरियाणा विधानसभा चुनाव में दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन नहीं होगा। आम आदमी पार्टी ने अपना प्लान बी तैयार कर लिया है। बीजेपी-कांग्रेस के दो दर्जन बागी नेता आम आदमी पार्टी के संपर्क में हैं। ऐसे में पार्टी उन्हें भी टिकट दे सकती है।

अपराध करने वालों को टिकट दे रही है कांग्रेस : अनिल विज

अनिल विज ने कांग्रेस की लिस्ट में सुरेंद्र पंवार का नाम होने पर कहा, कांग्रेस का पसंदीदा काम अपराध करना और जेल जाना है, भूपेंद्र सिंह हुड्डा के खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं और उनका नाम भी इस सूची में है, सुरेंद्र पंवार भी जेल में हैं और उनका नाम सूची में है. अभी देखिए कितने और ऐसे नाम आएंगे। वहीं हरियाणा बीजेपी ने ट्वीट कर कहा, हरियाणा कांग्रेस बैठक पर बैठक और मंथन पर मंथन के बाद सिर्फ 31 उम्मीदवारों की लिस्ट निकाल पाई, यह दिखाता है कि इनकी हालात खराब है। इनके तीन कारण हो सकते हैं. कांग्रेस में टूट का भय, कांग्रेस को उम्मीवदार नहीं मिल रहे हैं भूपेंद्र सिंह हुड्डा, कुमारी सैलजा और रणदीप सुरजेवाल में सहमती नहीं है।

नहीं बदल रहे मणिपुर में हालात, पांच की मौत

- जिरीबाम में हिंसा, पुलिस बल तैनात
- ड्रोन देखे जाने से लोगों में दहशत
- डर के मारे लोगों ने घरों की लाइटें बंद कीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। मणिपुर के जिरीबाम जिले में शनिवार सुबह हुई हिंसा में पांच लोगों की मौत हो गई। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि एक व्यक्ति की उस समय गोली मारकर हत्या कर दी गई, जब वह सो रहा था, वहीं बाद में हुई गोलीबारी में चार हथियारबंद लोग मारे गए। अधिकारी के मुताबिक, उग्रवादी जिला मुख्यालय से करीब पांच किलोमीटर दूर एक सुनसान स्थान पर अकेले रहने वाले व्यक्ति के घर में घुसे और उसकी गोली मारकर हत्या कर दी। अधिकारी ने बताया कि हत्या के बाद जिला मुख्यालय से करीब सात किलोमीटर दूर पहाड़ियों में युद्धरत समुदायों के हथियारबंद लोगों के बीच भारी गोलीबारी हुई, जिसमें तीन पहाड़ी उग्रवादियों सहित चार हथियारबंद लोगों की मौत हो गई।

हिंसा की घटनाएं फिर से बढ़ गई हैं और अब उग्रवादियों ने रॉकेट और ड्रोन्स से हमले शुरू कर दिए हैं। चुराचांदपुर से सटे बिष्णुपुर जिले में10 घंटे के भीतर दो रॉकेट हमले हुए। अधिकारियों ने बताया कि बिष्णुपुर और इंफाल ईस्ट जिलों में शुक्रवार की देर रात को कई ड्रोन उड़ते देखे गए। इससे लोगों में इतनी दहशत फैल गई कि लोगों ने अपने-अपने घरों की लाइटें बंद कर दीं। हाल ही में इंफाल वेस्ट जिले में दो जगहों पर ड्रोन और बम से हमला किया गया।

कुकी लोगों की आक्रामकता में बढ़ोतरी

कॉर्डिनेशन कमेटी ऑन मणिपुर इंटीग्रिटी के प्रवक्ता ने कहा कि कुकी लोगों की आक्रामकता में बढ़ोतरी हुई है। बीते कुछ दिनों में ड्रोन से बमबारी की घटनाएं हुई हैं। आज दो मिसाइल हमले भी हुए हैं, चिन-कुकी नार्को आतंकवादियों द्वारा अंजाम दिया गया यह सबसे बड़ा हमला है, जिन्होंने पहाड़ी इलाकों में शरण ली हुई है। राज्य के पहले मुख्यमंत्री मरिमबाम कोइरेंग सिंह के घर पर हमला हुआ है। इस हमले में उनकी प्रतिमा और घर को नुकसान पहुंचा है। हालात नियंत्रण से बाहर हैं। केंद्रीय बल पहाड़ी इलाकों पर तैनात हैं, लेकिन वह हालात को लेकर बेपरवाह हैं।

कॉर्डिनेशन कमेटी ने मणिपुर में आपातकाल का एलान किया है। हम लोगों से अपील करते हैं कि वह सुरक्षित स्थानों पर शरण ले लें।

हरियाणा में जो भाजपा को हराएगा सपा उसके साथ: अखिलेश यादव

» इंडिया एलायंस की मजबूती के लिए सपा नहीं उतारेगी प्रत्याशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा खेमे से ऐसे संकेत मिल रहे हैं पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव हरियाणा में जो भाजपा को हराएगा उसी का साथ देंगे। वहीं अखिलेश के ट्वीट से इस बात के संकेत भी मिल रहे हैं कि सपा संभवत: यहां से अपने प्रत्याशी न उतारे।

गौरतलब हो कि हरियाणा चुनाव में सपा अपने प्रत्याशी उतारेगी या फिर कांग्रेस उसे कुछ सीटें देगी इन कयासों के बीच अखिलेश यादव ने हरियाणा चुनाव को लेकर एक ट्वीट किया है। हरियाणा चुनाव में इंडिया गठबंधन की एकजुटता नया इतिहास लिखने में सक्षम है। हमने कई बार कहा है और एक बार फिर दोहरा रहे हैं व आगे भी दोहरायेंगे कि 'बात सीट की नहीं जीत की है'। हरियाणा के विकास व सौहार्द की विरोधी 'भाजपा की नकारात्मक, साम्प्रदायिक, विभाजनकारी राजनीति' को हराने में 'इंडिया एलायंस' की जो भी पार्टी सक्षम होगी, हम उसके साथ अपने संगठन और समर्थकों की शक्ति को जोड़ देंगे। बात दो-चार सीटों पर प्रत्याशी उतारने की नहीं है, बात तो जनता के दुख-दर्द को समझते हुए उनको भाजपा की जोड़-तोड़ की भ्रष्टाचारी सियासत से मुक्ति दिलाने की है, साथ ही हरियाणा के सच्चे विकास और जनता के कल्याण की है। पिछले 10 सालों में भाजपा ने हरियाणा के विकास को बीसों साल पीछे धकेल दिया है। हम मानते हैं कि हमारे या इंडिया एलायंस के किसी भी दल के लिए, ये समय अपनी राजनीतिक संभावना तलाशने का नहीं है बल्कि त्याग और बलिदान का है। जनहित के परमार्थ मार्ग पर स्वार्थ के लिए कोई जगह नहीं होती। कुटिल और स्वार्थी लोग कभी भी इतिहास में अपना नाम दर्ज नहीं करा सकते हैं। ऐसे लोगों की राजनीति को हराने के लिए ये क्षण, अपने से ऊपर उठने का ऐतिहासिक अवसर है। हम हरियाणा के हित के लिए बड़े दिल से, हर त्याग-परित्याग के लिए तैयार हैं।

इंडिया एलायंस की पुकार जनहित में हो बदलाव!

हरियाणा चुनाव में इंडिया गठबंधन की एकजुटता नया इतिहास लिखने में सक्षम है। हमने कई बार कहा है और एक बार फिर दोहरा रहे हैं व आगे भी दोहरायेंगे कि 'बात सीट की नहीं जीत की है'। हरियाणा के विकास व सौहार्द की विरोधी 'भाजपा की नकारात्मक, साम्प्रदायिक, विभाजनकारी राजनीति' को हराने का संकल्प।

लोग तय करेंगे आप भगवान हैं या नहीं: मोहन भागवत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पुणे । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने पुणे में एक कार्यक्रम में कहा कि आप भगवान हैं या नहीं, यह लोगों को तय करने दें। हमें यह प्रचार नहीं करना चाहिए कि हम भगवान बन गए हैं। आरएसएस प्रमुख ने 1971 में मणिपुर में भैयाजी के नाम से मशहूर शंकर दिनकर केन के काम की स्मृति में आयोजित एक कार्यक्रम में यह टिप्पणी की।

भागवत ने कहा कि कुछ लोग सोचते हैं कि हमें शांत रहने के बजाय बिजली की तरह चमकना चाहिए। लेकिन बिजली गिरने के बाद पहले से भी ज्यादा अंधेरा हो जाता है। इसलिए कार्यकर्ताओं को दीये की तरह जलना चाहिए और जरूरत पड़ने पर चमकना चाहिए। शंकर दिनकर काणे ने 1971 तक मणिपुर में बच्चों की शिक्षा के लिए काम किया। वह छात्रों को महाराष्ट्र भी लाए और उनके रहने की व्यवस्था की। संघर्षग्रस्त मणिपुर की मौजूदा स्थिति के बारे में बोलते हुए, भागवत ने कहा कि मौजूदा परिस्थितियाँ कठिन और चुनौतीपूर्ण थीं। उन्होंने कहा कि ऐसी चुनौतीपूर्ण स्थिति में भी, आरएसएस के स्वयंसेवक पूर्वोत्तर राज्य में मजबूती से तैनात हैं, जहां दो समुदायों के बीच संघर्ष में 200 से अधिक लोग मारे गए हैं और 60,000 लोग विस्थापित हुए हैं।

हम भारत के हैं, यह भावना मजबूत हो रही

भागवत ने कहा कि लोगों में स्वधर्म की भावना व्याप्त है। हम भारत के हैं, यह भावना मजबूत होती जा रही है। मणिपुर जैसे राज्यों में आज जो अशांति हम देख रहे हैं, वह कुछ लोगों का काम है जो प्रगति के मार्ग में बाधाएं उत्पन्न करना चाहते हैं। लेकिन उनकी योजना सफल नहीं होगी। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि जब 40 साल पहले स्थिति बदतर थी, तब लोग वहीं रुके, काम किया और स्थिति को बदलने में मदद की।

मंगेश यादव एनकाउंटर पर पूर्व सांसद बृजभूषण ने उठाए सवाल

प्रमोशन और पैसे के लिए एनकाउंटर किए जा रहे हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोंडा। भाजपा के पूर्व सांसद व वरिष्ठ नेता बृजभूषण शरण सिंह सुल्तानपुर में एक लाख के इनामिया मंगेश यादव के एनकाउंटर पर अपनी ही सरकार पर सवाल उठा दिया है। इसको लेकर उत्तर प्रदेश में सियारी पारा बढ़ गया है। बीजेपी के पूर्व सांसद ने कहा, कि अपने प्रमोशन और पैसे के लिए एनकाउंटर किए जा रहे हैं, यह सही तरीका नहीं है, कहीं माफिया नहीं बचे हैं।

अखिलेश यादव का यह आरोप सही नहीं है कि सिर्फ एक जाति विशेष का ही एनकाउंटर हो रहा है। ब्राह्मण, ठाकुर और भूमिहार के भी हो रहे हैं। बुलडोजर नीति पर उन्होंने कहा, मैंने पहले से ही इस नीति का विरोधी रहा हूं. इससे किसी का भला नहीं होगा।

लोस चुनाव में मिली हार पर बोलूंगा तो खड़ा होगा तूफान

उत्तर प्रदेश में बीजेपी को मिली लोकसभा चुनाव में हार पर उन्होंने कहा, मुझे यह रिजल्ट पहले से ही पता था। मैं मुंह खोल दूंगा तो तूफान खड़ा हो जाएगा। गलतियां हुई है, इसी वजह से हम हारे हैं, इसमें अधिकारियों का भी हाथ है, लेकिन उनकी कोई जवाबदेही थोड़े ही है, लेकिन उन्हें क्या करना है कि पार्टी चाहे जीते या हारे।

अब लड़की बहन योजना पर शिंदे और अजित पवार में छिड़ी जंग

» योजना का क्रेडिट लेने की होड़ में वार-पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव से पहले ही राजनीति चरम पर है। एक ओर जहां विपक्षी गठबंधन एमवीए चुनाव को लेकर रणनीति बनाने में जुटी है। वहीं, दूसरी ओर सरकार चला रही महायुति में दरार पड़ती दिख रही है। दरअसल, राज्य में लड़की बहन योजना को लेकर सीएम शिंदे और अजित पवार की पार्टी आमने-सामने है।

शिवसेना के एक मंत्री ने इस योजना के विज्ञापन से सीएम एकनाथ शिंदे का चेहरा हटाने को लेकर अजित पवार गुट पर नाराजगी जताई है। अब योजना का क्रेडिट लेने की होड़ मचने के बाद उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को प्रचार के लिए एसओपी तक लाना पड़ा। बता दें कि कुछ दिन पहले ही लड़की बहन योजना के शुरू होने के बाद ही एनसीपी ने कई शहरों में अजित दादा लड़की बहन योजना के नाम से पोस्टर लगा दिए थे। इसके बाद बारामती में ऐसे पोस्टर लगे जिसमें अजित पवार का नाम ही नहीं था, जिसपर सियासत गर्म हो गई।

फडणवीस ने किया बचाव

दोनों पार्टियों के नेताओं में बहस होने के बाद देवेंद्र फडणवीस ने बीच बचाव किया। फडणवीस ने इस योजना के प्रचार के लिए एसओपी जारी करने का प्रस्ताव लाया। अब पूरे राज्य में एक तरह के विज्ञापन चलेंगे।

कैबिनेट में दोनों दलों में बहस

जब कैबिनेट की मीटिंग हुई तो शिवसेना मंत्री शंभुराज देसाई ने एनसीपी को घेरते हुए पूछा कि आखिर पोस्टर से सीएम का नाम क्यों गायब हुआ। देसाई ने कहा कि जब उनकी पार्टी प्रचार करती है तो उसमें दोनों उपमुख्यमंत्रियों के नाम होते हैं, लेकिन जब एनसीपी की बारी आई तो उन्होंने सीएम शब्द ही हटा दिया। इसपर एनसीपी ने जवाब दिया कि बजट पेश होने के बाद शिंदे के प्रचार में हर जगह पोस्टर लगे थे, जिसपर किसी ने कुछ नहीं कहा। लेकिन अगर अब केवल नाम छोटा करने के लिए सीएम नहीं लिखा गया, तो इसपर आपत्ति क्यों हो रही है।

महाराष्ट्र चुनाव: गडकरी होंगे स्टार प्रचारक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी सहित महाराष्ट्र के सभी बीजेपी नेता आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान में हिस्सा लेंगे। बीजेपी की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुल ने यह जानकारी दी। बीजेपी की विधानसभा चुनाव योजना के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में महाराष्ट्र भर में 21 नेता अलग-अलग समितियों का हिस्सा होंगे और सभी को जिम्मेदारियां सौंप दी गई है।

» 21 नेता अलग-अलग समितियों का हिस्सा होंगे

चंद्रशेखर बावनकुल ने कहा कि महायुति के लिए बीजेपी की योजना बूथ स्तर तक प्रबंधन की है, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव और अश्विनी वैष्णव भी महाराष्ट्र में चुनाव प्रचार में शामिल होंगे। हमने नितिन गडकरी से चुनाव प्रचार के लिए पूरा समय देने का अनुरोध किया और उन्होंने सहमति दे दी। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ महायुति में बीजेपी के अलावा मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना और अजित पवार नीत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी घटक हैं।

मुद्दों में रंगने लगी जम्मू-कश्मीर की सियासत

राजनीतिक पार्टियों ने जारी किए घोषणा पत्र भाजपा को विपक्ष ने घेरना शुरू किया

अनुच्छेद 370 की बहाली का मुद्दा उठा रहा विपक्ष

» पीडीपी, नेकां ने संभाला मोर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में चुनावी सरगर्मी में तेजी आ गई है। सभी सियासी पार्टियों ने कमर कस लिया है। भाजपा, कांग्रेस, नेशनल कांफ्रेंस, पीडीपी, गुलाम नबी आजाद की पार्टी ने अपने-अपने मुद्दे सेट कर लिए हैं। अब धीरे-धीरे पार्टियां अपने-अपने घोषणा पत्र जारी कर चुके हैं। कुल मिलाकर तो राज्य की चुनावी तस्वीर बन रही है उसमे भाजपा के खिलाफ सभी विपक्षी दल एक जुट दिखाई दे रहे हैं। हालांकि ने नेकां व कांग्रेस में गठबंधन हो चुका है। चुनाव इस समय अनुच्छेद 370 की बहाली का मुद्दा भाजपा बनाम विपक्ष हो गया है।

खास बात यह है कि लगभग सभी विपक्षी पार्टियां कई मौकों पर ये दोहरा चुकी हैं कि 370 की बहाली संसद के हाथ में है बावजूद इसके वे 370 की बहाली का वादा कर इस मुद्दे को भुनाने में जुटी हैं। तमाम विपक्षी पार्टियां ऐसा मानने के बावजूद अपने घोषणापत्रों में इस वादे को सबसे ऊपर रख रही हैं। वोट बैंक का मसला बन चुके इस मुद्दे के हल के वादे को लेकर नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीडीपी और अपनी पार्टी के बाद पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के रूप में चौथा दल घोषणा पत्र लेकर चुनाव मैदान में कूदा है। फारूक अब्दुल्ला कह चुके हैं कि 100 साल तक अनुच्छेद 370 की बहाली संभव नहीं है। अब यह इतना आसान नहीं। इसके लिए संसद में आपके लोग चाहिए। उनके बयान के बाद भी उमर अब्दुल्ला द्वारा जारी किए गए घोषणापत्र में 370 की बहाली का वादा जोर-शोर से किया गया है। पीडीपी की प्रमुख महबूबा मुफ्ती भी अपने घोषणापत्र में 370 की बहाली के लिए लड़ाई लड़ने का वादा कर चुकी हैं। पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद लोन ने कहा कि उनकी पार्टी जम्मू-कश्मीर विधानसभा में अनुच्छेद 370 की बहाली की मांग करने वाले किसी भी प्रस्ताव का समर्थन करेगी। अगर कोई पार्टी नई विधानसभा में ऐसा प्रस्ताव पेश नहीं करती, तो उनकी पार्टी इसकी पहल करेगी। हालांकि, विधानसभा में प्रस्ताव पारित करना सिर्फ एक नैतिक बात है, क्योंकि इससे विशेष दर्जा वापस नहीं मिलेगा। इसे केवल संसद में ही बहाल किया जा सकता है। अनुच्छेद 35ए की बहाली पर कहा कि अगर जम्मू-कश्मीर राज्य का दर्जा बहाल किया जाता है, तो प्रावधान को आंशिक रूप से बहाल किया जा सकता है। हम हिमाचल प्रदेश की तरह यहां विधानसभा में इसके कुछ हिस्सों (अनुच्छेद 35ए) को पारित कर सकते हैं। लोन ने कहा कि अनुच्छेद 370 की बहाली के लिए हम सभी को मिलकर आंदोलन करना होगा। सज्जाद गनी लोन ने कहा कि मेरा मानना है कि जैसे-जैसे भारतीय लोकतंत्र विकसित होगा, एक दिन आएगा जब हमारे पास अनुच्छेद 370 के बराबर एक संघीय समाधान होगा।

दूसरे चरण की 26 सीट के लिए 300 से अधिक उम्मीदवारों ने नामांकन किया

दूसरे चरण के लिए नामांकन दाखिल करने का बृहस्पतिवार को अंतिम दिन था। इन निर्वाचन क्षेत्रों पर 25 सितंबर को मतदान होगा। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में छह जिलों की 26 सीट पर कुल 310 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किया है। हब्बाकदल सीट पर सबसे अधिक 20 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया है, जबकि कंगन में सबसे कम छह उम्मीदवारों ने पर्चा भरा है। प्रवक्ता ने बताया कि दूसरे चरण के लिए कुल 310 उम्मीदवारों ने 329 नामांकन पत्र दाखिल किए हैं। उन्होंने बताया कि श्रीनगर जिले में 112 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया है, जबकि बडगाम जिले में 68, राजौरी जिले में 47, पुंछ जिले में 35, जबकि रियासी और गंदेरबल जिले में 24-24 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया है। उन्होंने कहा कि नामांकन पत्रों की जांच शुक्रवार को संबंधित चुनाव अधिकारियों द्वारा की जाएगी, जबकि उम्मीदवार नौ सितंबर को दोपहर तीन बजे तक या उससे पहले अपना नामांकन वापस ले सकते हैं।

कांग्रेस का रुख भी स्पष्ट नहीं

स्वायत्त दर्जे ने न केवल राज्य की पहचान छीन ली है, बल्कि इसके लोगों के अधिकारों और संसाधनों को भी नष्ट कर दिया है। भारत के इतिहास में पहली बार राज्य का दर्जा छीन लिया गया है। हम चाहते थे कि पहले आपको राज्य का दर्जा मिले और फिर चुनाव हो। लेकिन भाजपा ऐसा नहीं चाहती है, उनका कहना है कि पहले चुनाव होंगे और फिर राज्य के मुद्दे पर चर्चा होगी।

मुस्लिम वोट का सवाल

राजनीतिक विशेषज्ञ मानते हैं कि 370 की बहाली अब केवल सियासी मुद्दे से ज्यादा कुछ नहीं रह गया है। एक विशेषज्ञ ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि सभी राजनीतिक पार्टियां अपना-अपना एजेंडा लेकर चुनाव में उतरी हैं। क्षेत्रीय पार्टियों को लगता है कि अगर वह अनुच्छेद 370 की बहाली की बात नहीं करेंगी तो कश्मीर का मुस्लमान उन्हें वोट नहीं करेगा। ये पार्टियां लोगों की भावनाओं के साथ खेल रही हैं। उन्हें पता है कि वोट इसी कारण से मिलेगा। दूसरा 370 का मुद्दा केवल कश्मीर तक ही सीमित है। कश्मीर के बाहर की पार्टियां इस पर बात नहीं कर रहीं।

370 का चैप्टर खत्म राज्य के हाथ में कुछ नहीं

अनुच्छेद 370 के केस में सुप्रीम कोर्ट अभी कानूनी पहलुओं पर चर्चा कर चुका है। इसको हटाने के सभी प्रावधानों को भी सही ठहरा चुका है। पार्टियां इसकी बहाली की बात जरूर कर रही हैं लेकिन राज्य के हाथ में अब कुछ नहीं है। इसकी बहाली के लिए संसद में आपके पास बहुमत होना जारूरी है। 370 की बात तो दूर राज्य का दर्जा भी राज्य सरकार बहाल नहीं कर सकती। उसका रास्ता भी संसद से ही निकलेगा। अनुच्छेद 370 की बहाली 100 साल तक नहीं हो पाएगी। भले ही 100 साल लग जाएं मगर लोगों की इच्छा एक दिन पूरी होगी। भारत के लोगों को आजादी मिलने में 75 साल लग गए थे।

भाजपा ने जारी किया अपना घोषणा पत्र

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों के लिए भारतीय जनता पार्टी का चुनावी घोषणापत्र जारी किया। शाह दो दिवसीय दौरे पर शुक्रवार पहुंचें। जहां वे पार्टी के घोषणापत्र को जारी किया। भाजपा सूत्रों के अनुसार, शाह के दौरे के पहले दिन में वह प्रदेश की भाजपा इकाई के कोर ग्रुप के साथ बैठक करेंगे। जिसमें पार्टी की चुनावी तैयारियों और जमीनी स्तर की गतिविधियों की समीक्षा की जाएगी। दूसरे दिन शाह जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनावों की सफलता सुनिश्चित करने के लिए पार्टी नेताओं के साथ व्यापक चर्चा करेंगे। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 219 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं। और मतदान 18 सितंबर को होगा। यह चुनाव अनुच्छेद 370 के हटाए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर का पहला विधानसभा चुनाव है। भाजपा के घोषणापत्र में सुशासन और कश्मीर में पर्यटन को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान देने की संभावना है।

इस बार का जनादेश चौंकाने वाला होगा

इस बार का विधानसभा चुनाव इस मायने में भी खास है कि कश्मीर घाटी में परिवारवादी दलों के दिन अब लदते नजर आ रहे हैं। श्रीनगर के हृदय माने जाने वाले लाल चौक का नजारा बता रहा है कि यहां की जनता इस बार चौंकाने वाला जनादेश देने जा रही है। जम्मू-कश्मीर में तीन चरणों में होने जा रहे विधानसभा चुनाव के लिए विभिन्न राजनीतिक दलों के उम्मीदवारों की ओर से नामांकन दाखिल किये जा रहे हैं। विभिन्न दलों के स्थानीय नेता तो चुनाव प्रचार में उतर ही चुके हैं साथ ही बड़ी पार्टियों के राष्ट्रीय नेता भी चुनाव प्रचार करने के लिए केंद्र शासित प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में पहुँच रहे हैं। गलियों और मोहल्लों में जनसंपर्क अभियान चल रहा है, रोड शो निकाले जा रहे हैं, घर-घर जाकर नेता लोगों से वोट मांग रहे हैं। जनता भी खुलकर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त कर रही है। यह सब कुछ भयमुक्त वातावरण में हो रहा है जोकि कश्मीर घाटी के लोगों के लिए नई बात है। जो पहली बार मतदान करने जा रहे हैं उन युवाओं ने तो ऐसा माहौल पहले कभी देखा भी नहीं था। जिस कश्मीर घाटी में पहले आईएस और पाकिस्तान के झंडे लहराये जाते थे आज वहां यह सब बंद हो गया है और हर घर पर तिरंगा फहरा रहा है। लाल चौक में तिरंगा फहराने पर पहले गोली लगने का खतरा रहता था लेकिन आज नये रंग रूप में लाल चौक पर शान से फहराता तिरंगा हर किसी को नये कश्मीर का अहसास करा रहा है। यही नहीं, भारत के राष्ट्रीय ध्वज का विरोध करने वाले हुर्रियत जैसे अलगाववादी संगठन के कार्यालय पर भी तिरंगा लहरा रहा है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

अब जनता की समस्याओं को पटखनी देंगे पहलवान!

अपने खेल से प्रतिद्वंद्वी को चित करने वाले पहलवान विनेश फोगाट व बजरंग पूनिया अब राजनीति के दांवपेच से जनता की समस्याओं को पटखनी देंगे। कुश्ती के दोनों सूरमाओं ने राजनीति में प्रवेश कर लिया। इन दोनों ने कांग्रेस का हाथ थाम लिया है। दोनों से देश के युवओं को बहुम उम्मीदें हैं क्योंकि दोनों बहुत जूझने वाले खिलाड़ी हैं। उन दोनों ने गत वर्ष सत्ता से संरक्षित कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष के खिलाफ सड़क पर उतर कर उनके काले कारनामें देश के सामने लाए बल्कि उन्हें देश के सबसे बड़ी अदालत तक पहुंचाया जहां अब भी केस चल रहा है। दिल्ली में शुक्रवार को दोनों कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। इससे पहले दोनों ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से उनके आवास पर मुलाकात की। कांग्रेस में शामिल होने के बाद विनेश फोगाट ने कहा कि उम्मीदों पर खरा उतरने की कोशिश रहेगी। कांग्रेस ने हमारे आंसुओं को समझा। बुरे टाइम में पता चलता है कि आपका कौन है। ये देश के लोगों की सेवा का मौका है।

नई पारी की शुरूआत मेरे लिए गर्व की बात है। वहीं बजरंग पूनिया ने कहा कि कांग्रेस और देश को मजूबत करेंगे। भाजपा हमारे साथ खड़ी नहीं हुई। कांग्रेस में आने पर आलोचना हो रही है। विनेश फोगाट ने कांग्रेस पार्टी में शामिल होने से पहले रेलवे से इस्तीफा दे दिया है। कांग्रेस पार्टी ने एक्स पर दोनों के साथ एक तस्वीर साझा की है।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मुलाकात के बाद अपने एक्स हैंडल पर तस्वीर साझा करते हुए चक दे इंडिया, चक दे हरियाणा! दुनिया में भारत का नाम रोशन करने वाले हमारे प्रतिभाशाली चैंपियन विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया से 10 राजाजी मार्ग पर मुलाक़ात। हमें आप दोनों पर गर्व है। पहलवान साक्षी मलिक ने बजरंग पूनिया और विनेश फोगट पर कहा कि शायद आज वे दोनों कांग्रेस पार्टी में शामिल होंगे, इसीलिए वे इस्तीफा देने आ रहे हैं। यह उनका निजी फैसला है कि वे पार्टी में शामिल होना चाहते हैं। हमारे आंदोलन को गलत रूप न दिया जाए। पहलवानों ने कहा महिलाओं के लिए आंदोलन आज भी जारी है। हनमे हमेशा कुश्ती के बारे में सोचा है, कुश्ती के हित में काम किया है और आगे भी करूंगी। विनेश व बजरंग का यह एक अच्छा फैसला है। इससे पहले भी कई खिलाड़ी संसद व विधानसभाओं में पहुंचे है। हालांकि ज्यादातर खिलाड़ी सिर्फ सदनों के शोभा बनकर ही रह जाते हैं। कुछ तो सत्ता के प्रभाव में आकर जनता के मुद्दों से भटक जाते हैं। पर इन दोनों रेसलरों का जैसा स्वभाव है ऐसा लगता है कि ये शांति से बैठने वाले नहीं है। ये सिर्फ खेल बिरादरी के लिए अपनी आवाज को सदन में बुलंद नहीं करेगे बल्कि किसान, युवा, गरीब, महिला सभी के लिए आवाज उठाएंगे और सत्ता के लोगों को घुटने पर लाने को काम करेंगे।

“ नई पारी की शुरूआत मेरे लिए गर्व की बात है। वहीं बजरंग पूनिया ने कहा कि कांग्रेस और देश को मजूबत करेंगे। भाजपा हमारे साथ खड़ी नहीं हुई। कांग्रेस में आने पर आलोचना हो रही है। विनेश फोगाट ने कांग्रेस पार्टी में शामिल होने से पहले रेलवे से इस्तीफा दे दिया है। कांग्रेस पार्टी ने एक्स पर दोनों के साथ एक तस्वीर साझा की है।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मुलाकात के बाद अपने एक्स हैंडल पर तस्वीर साझा करते हुए चक दे इंडिया, चक दे हरियाणा!

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

महापुरुषों को सियासी नफे-नुकसान का जरिया न बनाएं

विश्वनाथ सचदेव

जैन समुदाय का पर्यूषण पर्व चल रहा है। इस पर्व का एक महत्वपूर्ण हिस्सा एक-दूसरे से क्षमा मांगने का भी है - मिच्छामि दुक्कड़म। इन दो शब्दों में जीवन का एक बहुत बड़ा पाठ— जाने-अनजाने में हुई किसी भी भूल या अपराध के लिए एक-दूसरे से क्षमा मांग कर नये सिरे से रिश्तों को संवारना, उन्हें बनाये रखना— छिपा है। आसान नहीं होता क्षमा मांगना। भीतर के अहं का विसर्जन करना होता है पहले। और क्षमा करना भी कम मुश्किल नहीं होता। लेकिन क्षमा मांग कर और क्षमा करके मानवीय रिश्तों को एक नया विस्तार मिलता है। कुछ क्षण के लिए ही सही, हमारे भीतर का मनुष्य जगता तो है। आवश्यकता इस 'मनुष्य' को जगाये रखने की है। क्षमा पर्व की यह बात हमारी राजनीति के तौर-तरीके के संदर्भ में भी याद रखी जानी चाहिए। हाल ही में महाराष्ट्र के मालवण क्षेत्र में छत्रपति शिवाजी महाराज की एक विशाल मूर्ति के ढह जाने से राज्य की राजनीति में आये तूफान ने विपक्ष को जैसे एक जोरदार मुद्दा दे दिया है।

पैंतीस फुट ऊंची इस विशालकाय मूर्ति का आठ-नौ महीने पहले ही स्वयं प्रधानमंत्री ने अनावरण किया था। महाराष्ट्र में शिवाजी महाराज एक इतिहास-पुरुष ही नहीं, देवत्व के स्तर का आराध्य माने जाते हैं। उनकी मूर्ति के अनावरण के लिए स्वयं प्रधानमंत्री के आने के भी राजनीतिक निहितार्थ हैं। इसलिए, इस बात पर भी आश्चर्य नहीं किया जाना चाहिए कि उस मूर्ति के इस तरह भरभराकर गिर जाने को विपक्ष ने राजनीतिक लाभ उठाने का एक अवसर बना लिया है। महाराष्ट्र की राजनीति को देखते हुए यह घटना कम महत्वपूर्ण नहीं है। सत्तारूढ़ पक्ष अच्छी तरह समझता है कि यह उसके लिए बचाव का क्षण है। इसलिए सत्तारूढ़ पक्ष के तीनों घटकों ने इस प्रकरण के लिए क्षमा मांगने में देरी नहीं लगायी। इस प्रकरण का एक महत्वपूर्ण पहलू स्वयं प्रधानमंत्री का इसके लिए क्षमा मांगना भी है। एक कार्यक्रम के लिए राज्य में आये प्रधानमंत्री ने 'मेरे और मेरे साथियों के आराध्य छत्रपति शिवाजी महाराज' से सार्वजनिक रूप से क्षमा मांगना जरूरी समझा।

शिवाजी महाराज के लिए आदर-भाव होना ही चाहिए, और जिस तरह वह मूर्ति ढही है उसके लिए दोषियों को सजा भी मिलनी चाहिए। लेकिन जिस तरह से इस प्रकरण को राजनीति का एक हथियार बनाया जा रहा है, उससे

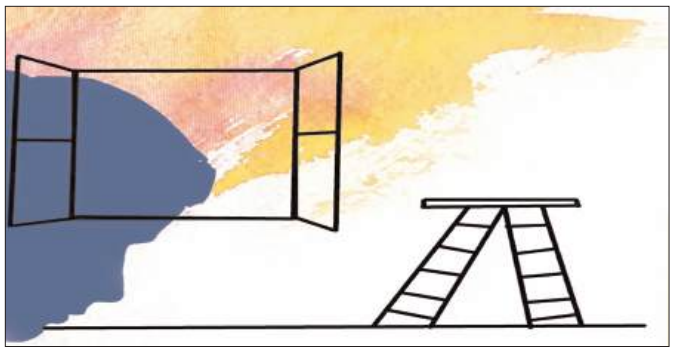

कुछ सवाल तो उठते ही हैं। उठ भी रहे हैं। शायद इसीलिए प्रधानमंत्री का क्षमा मांगने का लहजा सवालों के घेरे में है। कहा जा रहा है कि क्षमा के साथ विनय का सीधा रिश्ता है। बिना विनयी हुए क्षमा मांगना एक दिखावे के रूप में ही देखा जाता है। जिस तरह विपक्ष ने इस प्रकरण को राजनीतिक लाभ उठाने का अवसर बनाया, उसी तरह महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ पक्ष भी राजनीतिक नुकसान कम करने का प्रयास कर रहा है। प्रधानमंत्री द्वारा क्षमा मांगना इस कोशिश का एक हिस्सा माना जा सकता है। राजनीति करने वाले मूर्ति के इस तरह ढहने के लिए शिवाजी महाराज से क्षमा मांग रहे हैं। इस तरह क्षमा मांगने में कुछ गलत नहीं है, लेकिन यह अपमान छत्रपति शिवाजी महाराज का नहीं है, अपमान महाराष्ट्र की जनता का हुआ है, जिसके लिए शिवाजी देवता हैं। जनता एक विश्वास के साथ किसी पक्ष को सत्ता सौंपती है, निश्चित रूप से इस मूर्ति की स्थापना में कहीं कुछ खोट रहा है। इस खोट के अपराधियों को सजा मिलनी ही चाहिए। मूर्ति की स्थापना से जुड़ा वह हर पक्ष अपराधी है, जो इस प्रक्रिया से किसी भी रूप से जुड़ा था- फिर चाहे वह राजनीतिक पक्ष हो, राजनेता हो, अधिकारी हो, या शिल्पी। बहरहाल, शिवाजी महाराज जैसी विभूति राजनीतिक नफे-नुकसान का माध्यम नहीं बनायी जानी चाहिए। उनकी मूर्ति का लगाया जाना भी उनमें राज्य की जनता की आस्था का प्रतीक है, और मूर्ति का ढहना भी जनता के संतप्त होने का कारण। इसलिए, क्षमा इस देश की जनता से मांगी जानी चाहिए। अपमान उस विश्वास का हुआ है जो जनता अपने नेताओं, अधिकारियों, शिल्पियों आदि में रखती है। जनतंत्र में सत्ता जनता के हाथ में होती है। जनता ही इस तंत्र को चलाने के लिए कुछ लोगों को चुनती है।

इन चुने हुए लोगों से अपेक्षा की जाती है कि वे पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ जनता के विश्वास की रक्षा करेंगे। स्पष्ट है, सिंधुदुर्ग में लगायी गयी इस प्रतिमा के संदर्भ में यह अपेक्षा पूरी नहीं हुई। कोई बड़ी चूक हुई है इस सारे प्रकरण में। क्षमा उस चूक के लिए मांगी जानी चाहिए। सच तो यह है कि बिना विनम्रता के क्षमा मांगने का कोई अर्थ ही नहीं है। विनम्रता का अभाव, दुर्भाग्य से, हमारी राजनीति की एक पहचान बन गया है। हर नेता, जिसके पास किसी भी प्रकार की सत्ता होती है, अपने आप को शासक मान कर बैठा है- जबकि होना उसे जनता का सेवक चाहिए। कहने को तो सब नेता अपने आप को जनता का सेवक कहते हैं, फिर कोई छोटा सेवक कहता है और कोई बड़ा सेवक।

तुरंत उपचार और सावधानी में ही बचाव

जयसिंह रावत

बरसात के इन दिनों में धान आदि की खेती का मौसम होता है, और यही समय सर्पदंश के लिए सबसे अधिक जोखिमपूर्ण होता है। सांप के काटने की घटनाएं अधिकांशत: ग्रामीण क्षेत्रों में होती हैं, जिससे स्त्री-पुरुष किसान, कृषि श्रमिक, और बच्चे सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। सर्पदंश के परिणामस्वरूप कुछ ही समय में मौत, लकवा, सांस लेने में कठिनाई, रक्तस्राव संबंधी विकार, किडनी फेल्योर, स्थायी विकलांगता, और अंग विच्छेदन हो सकते हैं। यह समस्या विकासशील देशों, विशेषकर कृषि प्रधान ग्रामीण और वन बस्तियों में देखी जाती है। ये घटनाएं स्वास्थ्य संकट नहीं हैं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक प्रभाव भी डालती हैं। हालांकि, इस समस्या को मानव-वन्यजीव संघर्ष की अन्य घटनाओं की तरह गंभीरता से नहीं लिया जाता है। इसलिए, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों की उपेक्षित स्वास्थ्य समस्या के रूप में वर्गीकृत किया है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, हर साल दुनिया भर में लगभग 50.4 लाख लोग सांपों द्वारा काटे जाते हैं, और 81,410 से 1,37,880 लोग सर्पदंश से मृत्यु का शिकार होते हैं। इसके अतिरिक्त, लाखों लोग विकलांगता और अन्य गंभीर बीमारियों से ग्रस्त हो जाते हैं। हालांकि, सर्पदंश पर केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय, विश्व स्वास्थ्य संगठन और नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों में भारी अंतर होता है। 12 मार्च, 2024 को भारत में सर्पदंश से होने वाली मौतों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना की शुरुआत के समय जारी विवरण के अनुसार, भारत में हर साल लगभग 30-40 लाख सर्पदंश के मामले होते हैं, जिनमें से लगभग 50,000 मौतें होती हैं, जो वैश्विक सर्पदंश मौतों का लगभग आधा हिस्सा है। सर्पदंश के शिकार लोगों का केवल एक छोटा सा हिस्सा ही अस्पतालों में रिपोर्ट करता है, जिससे सर्पदंश की वास्तविक संख्या दर्ज नहीं हो पाती।

केंद्रीय स्वास्थ्य जांच ब्यूरो की रिपोर्ट (2016-2020) के अनुसार, भारत में सर्पदंश के मामलों की औसत वार्षिक आवृत्ति लगभग 3 लाख है और लगभग 2,000 मौतें सर्पदंश के कारण होती हैं। वास्तविक स्थिति यह है कि भारत में सर्पदंश से होने वाली मौतों की सटीक संख्या उपलब्ध नहीं है, क्योंकि ये घटनाएं अधिकांशत: ग्रामीण क्षेत्रों और वन बस्तियों में होती हैं, जहां पुलिस और अस्पतालों तक मामले नहीं पहुंचते और रिपोर्टिंग नहीं हो पाती। भारत में मानसून का मौसम, जो आमतौर पर जून से सितंबर तक रहता है, सर्पदंश के लिए सबसे संवेदनशील माना जाता है। इस मौसम में बाढ़ और पानी के कारण सांपों के प्राकृतिक आवास नष्ट हो जाते हैं, जिससे वे भोजन और आश्रय की तलाश में मानव बस्तियों की ओर आ जाते हैं। मानसून के दौरान कृषि गतिविधियां भी चरम पर होती हैं, और किसान व मजदूर अनजाने में सांपों के संपर्क में आ सकते हैं, जो ऊंची घास या मलबे के नीचे छिपे होते हैं। गर्म और गीली परिस्थितियों में शिकार की उपलब्धता बढ़ जाती है, जिससे सांपों की गतिविधियां भी बढ़ जाती हैं।

जनसंख्या वृद्धि और मानव-जीव संघर्ष के कारण भारत में सांपों और मनुष्यों के बीच संघर्ष बढ़ रहा है। मानव आवास विस्तार प्राकृतिक आवासों पर अतिक्रमण करता है, जिससे ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में सांपों के काटने की संभावना बढ़ जाती है। जलवायु परिवर्तन सांपों के व्यवहार को प्रभावित कर रहा है। वनों की कटाई और कृषि विस्तार के कारण सांप भोजन और आश्रय की तलाश में मानव बस्तियों की ओर खिंचे जा रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में समय पर चिकित्सा सहायता और एंटीवेनम की कमी मृत्यु दर को बढ़ाती है। भारत सरकार ने सर्पदंश से होने वाली मौतों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए एक राष्ट्रीय कार्य योजना शुरू की है, जिसका लक्ष्य 2030 तक सर्पदंश से होने वाली मौतों और विकलांगता की संख्या को आधा करना है। हालांकि, इस समस्या का असली समाधान सावधानी और प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाए रखने में है।

सांप हमारे शत्रु नहीं हैं; वे वास्तव में खेतों में चूहों को नियंत्रित करके किसानों की फसलों की रक्षा करते हैं। वाइल्ड लाइफ एसओएस के अनुसार, भारत में सांपों की लगभग 300 प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनमें से 60 से अधिक विषैले, 40 हल्के रूप से विषैले और लगभग 180 जहर रहित प्रजातियाँ हैं। कोबरा, रसैल और वाइपर जैसी प्रजातियां अत्यंत विषैली होती हैं, जबकि जहर रहित सांप बिना कारण मारे जाते हैं। सांप आमतौर पर आत्मरक्षा के लिए काटते हैं, इसलिए सतर्कता सबसे अच्छा बचाव है। घास, झाड़ियों और ढीली चट्टानों के आसपास जाते समय लंबी पैंट और मजबूत जूते पहनें। किसानों को भारी घास या लकड़ी का सामान ढोते समय यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वहां सांप तो नहीं हैं। स्थानीय सांपों की प्रजातियों को पहचानें और बिना वजह झाड़ियों या घास में न घुसें। यदि सांप काट ले, तो घरेलू उपायों की बजाय तुरंत चिकित्सा सहायता प्राप्त करें और एंटीवेनम का उपयोग करें। खुद से इलाज करने की कोशिश न करें, जैसे घाव को काटना या चूसना, क्योंकि यह स्थिति को और खराब कर सकता है।

गणपति बप्पा मोरया...

गणेश चतुर्थी का 10 दिनों का उत्सव भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि से प्रारंभ होता है। गणेश चतुर्थी के दिन लोग अपने घरों में गणपति बप्पा को लेकर आते हैं, उनकी विधि विधान से पूजा-अर्चना करते हैं। फिर उसके 10 दिन बाद अनंत चतुर्दशी के दिन गणेश जी का विसर्जन करते हैं। हालांकि गणेश विसर्जन के भी अलग-अलग नियम हैं, जिसके तहत सभी लोग 10 दिनों तक गणपति बप्पा को नहीं रखते हैं। गणेश चतुर्थी का उत्सव महाराष्ट्र समेत पूरे देश में मनाया जाता है, लेकिन मुंबई समेत पूरे महाराष्ट्र में गणेश चतुर्थी का उत्सव लगातार 10 दिनों तक चलता है। हिंदू धर्म में भगवान गणेश को बुद्धि, समृद्धि और सौभाग्य के देवता के रूप में पूजा जाता है। ऐसे में गणेश चतुर्थी के विशेष अवसर पर आप गणपति जी की पूजा-अर्चना द्वारा उनकी कृपा के पात्र बन सकते हैं।

गणेश चतुर्थी का समापन

गणेश चतुर्थी का समापन 17 सितंबर दिन मंगलवार को अनंत चतुर्दशी को होगा। जो लोग 10 दिनों के लिए गणेश जी की मूर्ति रखेंगे, वे अनंत चतुर्दशी को गणेश जी की मूर्तियों को नदियों, झीलों और समुद्र जैसे जल निकायों में विसर्जित किया जाता है। इस अनुष्ठान को विसर्जन के नाम से जाना जाता है। गणेश जी को विदा करेंगे और अगले साल फिर आने को कहेंगे। यह भगवान गणेश की कैलाश पर्वत पर अपने निवास स्थान पर वापसी का प्रतीक है।

शुभ मुहूर्त

उदयातिथि की मान्यता के आधार पर गणेश चतुर्थी का शुभारंभ 7 सितंबर शनिवार से होगा। उस दिन गणेश जी की मूर्ति की स्थापना होगी और व्रत रखा जाएगा। 7 सितंबर को गणेश चतुर्थी की पूजा का शुभ मुहूर्त 2 घंटे 31 मिनट तक है. उस दिन आप गणपति बप्पा की पूजा दिन में 11 बजकर 03 मिनट से कर सकते हैं। मुहूर्त का समापन दोपहर में 1 बजकर 34 मिनट पर होगा।

महत्व

गणेश चतुर्थी विघ्नहर्ता और बुद्धि के देवता भगवान गणेश के जन्म का उत्सव है। उन्हें नई शुरुआत और समृद्धि के देवता के रूप में भी पूजा जाता है। भक्त अपने प्रयासों में सफलता और अपने जीवन से बाधाओं को दूर करने के लिए भगवान गणेश से प्रार्थना करते हैं। इस दिन व्रत रखकर गणेश जी की पूजा करते हैं. गणेश जी की कृपा से मनोकामनाएं पूरी होंगी और बिगड़े हुए काम बनेंगे. आपके जीवन के संकट दूर होंगे और शुभता आएगी।

इस तरह करें पूजा

सर्वप्रथम गणेश चतुर्थी के दिन सुबह जल्दी भगवान गणेश को प्रणाम करें और तीन बार आचमन करें। स्नान आदि से निवृत होने के बाद मंदिर की अच्छे से साफ-सफाई कर लें। इसके बाद गणेश जी की मूर्ति स्थापित करें और उन्हें पंचामृत से स्नान कराएं। पूजा के दौरान गणेश जी को वस्त्र, जनेऊ, चंदन, दूर्वा, अक्षत, धूप, दीप, पीले पुष्प और फल आदि अर्पित करें। भगवान गणेश की पूजा के दौरान उन्हें 21 दूर्वा जरूर चढ़ाएं। ऐसा करना बहुत ही शुभ माना जाता है। दूर्वा अर्पित करते समय श्री गणेशाय नमः दूर्वांकुरान् समर्पयामि मंत्र का जाप करें। पूजा के अंत में समस्त सदस्यों के साथ मिलकर गणेश जी की आरती करें और प्रसाद बांटें।

भद्रा

गणेश चतुर्थी के दिन भद्रा भी लग रही है. भद्रा सुबह में 06 बजकर 02 मिनट से लग रही है, जो शाम 05 बजकर 37 मिनट पर खत्म होगी। इस भद्रा का वास पाताल में है।

गणेश चतुर्थी का इतिहास

गणेश चतुर्थी का इतिहास 17वीं शताब्दी से मिलता है। ऐसा माना जाता है कि इस त्यौहार की शुरुआत मराठा राजा छत्रपति शिवाजी महाराज ने की थी। उन्होंने इस त्योहार का उपयोग अपने लोगों को एकजुट करने और हिंदू संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए किया। गणेश चतुर्थी दस दिवसीय त्यौहार है जो पूरे भारत में बहुत धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया जाता है। यह विशेष रूप से महाराष्ट्र में लोकप्रिय है, जहां इसे सार्वजनिक अवकाश के रूप में मनाया जाता है। त्योहार के दौरान, भक्त अपने घरों, मंदिरों और सार्वजनिक पंडालों में भगवान गणेश की मूर्ति स्थापित करते हैं।

हंसना मना है

पप्पू- तांत्रिक बाबा, किसी सुंदर लड़की का हाथ पाने के लिए क्या करूं। तांत्रिक- किसी मॉल के बाहर मेहंदी लगाने का काम शुरू कर दे। पप्पू- बेहोश।

डॉक्टर- तुम रोज सुबह क्लिनिक के बाहर खड़े होकर औरतों को क्यों घूरते हो? पप्पू- जी आप ने ही तो लिखा है, औरतों को देखने का समय सुबह 9 बजे से 11 बजे तक!

बंता- यार सिर में बहुत दर्द हो रहा है। संता- सिर दर्द होने पर कुछ देर गर्लफ्रेंड से जरूर बात करो। बंता- क्यों? संता- तुमने सुना नहीं है, जहर ही जहर को मारता है।

टीचर- एक टोकरी में 20 सेब थे 10 सड़ गए कितने बचे? पिंटू- 20 ही बचेंगे और क्या, टीचर- मूर्ख 20 कैसे बचेंगे? पिंटू- सड़े हुए सेब कहां जाएंगे, सड़ने से केले थोड़ी बन जाएंगे।

पति- प्यास लगी है पानी लेके आओ.. पत्नी- क्यों ना आज तुम्हें मटर पनीर और शाही पुलाव बनाकर खिलाऊं... पति - वाह वाह...! मुंह में पानी आ गया.. पत्नी - आ गया ना मुंह में पानी बस इसी से काम चला लो।

कहानी | गणेश विनायक जी

एक गांव में मां-बेटी रहती थीं। एक दिन वह अपनी मां से कहने लगी कि गांव के सब लोग गणेश मेला देखने जा रहे हैं, मैं भी मेला देखने जाऊंगी। मां ने कहा कि वहां बहुत भीड़ होगी कहीं गिर जाओगी तो चोट लगेगी। लड़की ने मां की बात नहीं सुनी और मेला देखने चल पड़ी। मां ने जाने से पहले बेटी को दो लड्डू दिए और एक घण्टी में पानी दिया। मां ने कहा कि एक लड्डू तो गणेश जी को खिला देना और थोड़ा पानी पिला देना। दूसरा लड्डू तुम खा लेना और बचा पानी भी पी लेना। लड़की मेले में चली गई। मेला खत्म होने पर सभी गांव वाले वापिस आ गए लेकिन लड़की वापिस नहीं आई। लड़की मेले में गणेश जी के पास बैठ गई और कहने लगी कि एक लड्डू और पानी गणेश जी तुम्हारे लिए और एक लड्डू और बाकी बचा पानी मेरे लिए। इस तरह कहते-कहते सारी रात बीत गई। गणेश जी यह देखकर सोचने लगे कि अगर मैने यह एक लड्डू और पानी नहीं पीया तो यह अपने घर नहीं जाएगी। यह सोचकर गणेश जी एक लड़के के वेश में आए और उससे एक लड्डू लेकर खा लिया और साथ ही थोड़ा पानी भी पी लिया फिर वह कहने लगे कि मांगो तुम क्या मांगती हो? लड़की मन में सोचने लगी कि क्या मांगू? अन्न मांगू या धन मांगू या अपने लिए अच्छा वर मांगू या खेत मांगू या महल मांगू! वह मन में सोच रही थी तो गणेश जी उसके मन की बात को जान गए। वह लड़की से बोले कि तुम अपने घर जाओ और तुमने जो भी मन में सोचा है वह सब तुम्हें मिलेगा। लड़की घर पहुंची तो मां ने पूछा कि इतनी देर कैसे हो गई? बेटी ने कहा कि आपने जैसा कहा था मैंने वैसा ही किया है और देखते ही देखते जो भी लड़की ने सोचा था वह सब कुछ हो गया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष संतान की आजीविका संबंधी समस्या का हल निकलेगा। किसी शुभचिंतक से मेल-मुलाकात का हर्ष होगा। लापरवाही से काम न करें। शत्रु सक्रिय रहेंगे।

वृषभ यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। परीक्षा आदि में सफलता मिलेगी। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। पारिवारिक कष्ट एवं समस्याओं का अंत संभव है।

मिथुन डूबी हुई रकम प्राप्त होगी। आय में वृद्धि होगी। यात्रा, नौकरी व निवेश में लाभ के योग बन रहे हैं। प्रमाद न करें। क्रोध एवं उत्तेजना पर संयम रखें।

कर्क योजना फलीभूत होगी। नए अनुबंध होंगे। कष्ट होगा। पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ने से व्यस्तता बढ़ेगी। कार्य में नवीनता के भी योग हैं। स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

सिंह आज अध्यात्म में रुचि बनी रहेगी। यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। रुके धन के लिए प्रयत्न जरूर करें। कार्य का विस्तार होगा। कानूनी अड़चन दूर होगी।

कन्या पारिवारिक जीवन तनावपूर्ण रहेगा। प्रयास अधिक करने पर भी उचित सफलता मिलने में संदेह है। कार्य में विलंब के भी योग हैं। आर्थिक हानि हो सकती है।

तुला जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। राजकीय बाधा दूर होगी। बेचैनी रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। अर्थ प्राप्ति के योग बनेंगे। विवादों से दूर रहना चाहिए।

वृश्चिक आय बढ़ेगी। मन में उत्साहपूर्ण विचारों के कारण समय सुखद व्यतीत होगा। मकान व जमीन संबंधी कार्य बनेंगे। अनायास धन लाभ के योग हैं।

धनु प्रसन्नता बनी रहेगी। नए कार्यों से जुड़ने का योग बनेगा। पारिवारिक जीवन सुखद नहीं रहेगा। पूजा-पाठ में मन लगेगा। इच्छित लाभ होगा।

मकर किसी कार्य में प्रतिस्पर्धात्मक तरीके से जुड़ने की प्रवृत्ति आपके लिए शुभ रहेगी। राज्यपक्ष से लाभ होगा। अपने काम से काम रखें। दांपत्य सुख प्राप्त होगा।

कुम्भ नई योजनाओं का सूत्रपात होने के योग हैं। मेहनत का फल पूरा-पूरा मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। कार्यक्षमता में वृद्धि होगी।

मीन उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। अपने प्रयासों से उन्नति पथ प्रशस्त करेंगे। बुद्धि चातुर्य से कठिन कार्य भी आसानी से बनेंगे। व्यापार अच्छा चलेगा।

4.5 करोड़ का कलेक्शन कर गयी द डायरी ऑफ बेस्ट बंगाल

सिनेमा की रंगीन दुनिया में हर तरह की फिल्में बनाई जाती है। खासतौर पर कॉमेडी का जॉनर तो बहुत ही पसंद किया जाता है। वहीं ड्रामे से भरपूर फिल्मों का भी अपना ही मजा है। वहीं कुछ ऐसी फिल्में भी हैं जो सच्ची कहानी पर बनाई जाती है। ऐसी ही फिल्म है, 'द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल', जो अब अपना बजट निकालने के बेहद करीब है।

सालों से फिल्म इंडस्ट्री का अहम चेहरा बने हुए सनोज मिश्रा ने फिल्म 'द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल' में ऐसे ही एक सच को दिखाने का साहस किया है, जो बहुत कम ही मेकर्स कर पाते हैं। 'द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल' उस बंगाल की कहानी है, जहां लोगों में प्यार है, तो हिंसा भी कहीं न कहीं पनप रही है। यह क्यों हैं और वहां के लोग इससे उबरने का प्रयास कैसे करते हैं, इस बारे में डायरेक्टर सनोज मिश्रा ने जागरण डॉट कॉम से हुई बातचीत में बताया है।

'द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल' अब तक 4.5 करोड़ का कलेक्शन कर चुकी है। फिल्म को 6 हजार स्क्रीन पर शेयर किया गया है। 'द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल' की

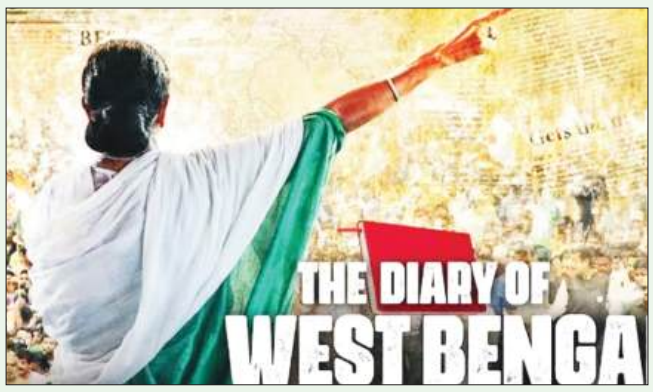

शूटिंग कोलकाता के अलग-अलग लोकेशन्स पर हुई है। डायरेक्टर सनोज मिश्ना ने बताया कि 'द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल' एक गंभीर मुद्दा है, इसलिए कोलकाता में इसकी शूटिंग जितनी आसान लग रही थी, उतनी रही नहीं, फिल्म के सीन्स को जंगल में शूट किया गया। इस फिल्म की रिलीज से पहले उन्हें धमकी भरे कॉल आ रहे थे। फिल्म को बैन करने की धमकिया भी मिल रही थी। सनोज मिश्रा ने आगे बताया कि जिस दौरान इस फिल्म को लेकर विवाद हो रहा था, तब सिर्फ उनके सपोर्ट में सिर्फ कंगना रनौत ही आगे आई थीं। रिलीज से कुछ दिन पहले वह पुलिस के बुलावे पर कोलकाता गए थे। वहां के हालात और अपनी फिल्म पर बढ़ रहे विवाद को देखते हुए उन्हें खुद के साथ गलत होने की आशंका हुई, जिसके बाद वह तुरंत वहां से निकल गए। इस बीच उनका फोन बंद था। ऐसे में किसी को उनकी लोकेशन का पता नहीं लग पा रहा था।

बता दें कि 'द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल' फिल्म 30 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। फिल्म को सिर्फ मुंबई, दिल्ली और साउथ में रिलीज किए जाने की परमिशन थी। लेकिन अब ये स्क्रीन रिलीज 600 से बढ़कर 1000 तक हो गई है, मूवी को लोगों का पॉजिटिव रिस्पांस मिल रहा है, जिससे मेकर्स काफी खुश हैं।

आलिया की फिल्म जिगरा का लेटेस्ट पोस्टर जारी

आलिया भट्ट के फैंस उनकी हर फिल्म की रिलीज पर नजरें टिकाए बैठे रहते हैं। अब जल्द ही एक्ट्रेस की एक और फिल्म आने वाली हैं। आलिया की इस अपकमिंग फिल्म का नाम है 'जिगरा'। हाल ही में एक्ट्रेस की इस फिल्म का पोस्टर सामने आया है, जिसने आलिया के फैंक की एक्साइटमेंट बढ़ा दी है।

आलिया भट्ट की अपकमिंग एक्शन-थ्रिलर मूवी जिगरा रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार है। आलिया भट्ट के साथ फिल्म में वेदांग रैना भी अहम भूमिका में नजर आने वाले हैं, जो द आर्चीज के बाद दूसरी बार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। अपनी इस अपकमिंग फिल्म में आलिया भट्ट दमदार एक्शन करती नजर आने वाली हैं। धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बनी इस फिल्म की रिलीज का आलिया के फैंस को बेसब्री से इंतजार है।

आलिया भट्ट ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी इस अपकमिंग फिल्म का नया पोस्टर शेयर कर फैंस का एक्साइटमेंट लेवल कई गुना बढ़ा दिया है। सामने आए पोस्टर में वह कंटीली तारों के सामने बैकपैक किए खड़ी हुई नजर आ रही हैं। सामने आए पोस्टर में पहली बार वेंदाग रैना भी नजर आ रहे हैं। इस पोस्टर का कैप्शन सभी का ध्यान खींच रहा है। पोस्टर के सामने आने के बाद से फैंस का एक्साइटमेंट लेवल भी बढ़ गया है। वासन बाला के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म को 11 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाना है।

इस फिल्म में आलिया का एक्शन अवतार नजर आने वाला है। इतना ही नहीं इससे पहले भी कई फिल्मों में आलिया अपने एक्शन अवतार से दर्शकों का दिल जीत चुकी हैं। हॉलीवुड फिल्म 'हार्ट ऑफ स्टोन' में भी आलिया एक्शन करती नजर आई थीं। वहीं जिगरा के बाद वह ब्रह्मास्त्र स्पाई यूनिवर्स की फिल्म 'अल्फा' में भी नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके अलावा शरवरी वाघ भी नजर आने वाली हैं। बता दें कि आलिया भट्ट की अपकमिंग फिल्मों को लेकर फैंस वैसे भी काफी एक्साइटेड रहते हैं। अब आलिया को एक्शन अवतार में देखने के लिए भी वह काफी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

मेरे साथ प्रोड्यूसर ने क्रास कर दी थी लिमिट : शिल्पा

शिल्पा शिंदे घर-घर में अपने रियल नाम से कम भाभीजी के नाम से ज्यादा पहचानी जाती हैं। अपनी बातों के कड़े लहजे में वो रखना जानती हैं और लोगों ने उनकी उस अदा को बिग बॉस में देखा भी है। लेकिन हाल ही में उन्होंने 26 साल पुरानी उस घटना को याद किया, जिससे न जानें कितनी एक्ट्रेसेस होकर गुजरीं। साउथ इंडस्ट्री में न्यायमूर्ति हेमा समिति की रिपोर्ट के बाद मचे भूचाल के बाद एक्ट्रेस शिल्पा शिंदे ने बताया कैसे एक हिंदी फिल्ममेकर ने उनके साथ गंदी हरकत करने की कोशिश की थी। उन्होंने बताया कि एक बार उन्हें ऑडिशन की आड़ में एक फिल्ममेकर को रिझाने के लिए कहा गया था। उसने बताया कि वह उस समय बहुत मासूम थी और वो सीन करने के लिए तैयार हो गई। हालांकि, मामला जब आगे बढ़ने लगा, तो एहसास हुई कि प्रोड्यूसर ने लिमिट क्रास कर दी है। उन्होंने बताया मैंने तुरंत उन्हें धक्का दिया और मैं बाहर की तरफ भाग गई। बातचीत में 46 साल की एक्ट्रेस ने आगे कहा, यह मेरे संघर्ष के दिनों के दौरान घटना है। 1998-99 के आसपास की बात है। मैं नाम नहीं ले सकती, लेकिन उन्होंने मुझसे कहा, आप ये कपड़े पहनो और ये सीन करो। सीन में मैंने वो कपड़े नहीं पहने। उसने मुझसे कहा कि वह मेरा बॉस है और मुझे उसे आकर्षित करना है। मैं तब बहुत मासूम थी, इसलिए मैंने यह सीन किया। उस शख्स ने मेरे साथ जबरदस्ती करने की कोशिश की और मैं बहुत डर गई। मैंने उसे धक्का दिया और बाहर भाग गयी। सुरक्षा कर्मचारियों को एहसास हुआ कि क्या हुआ था और उन्होंने मुझे तुरंत जाने के लिए कहा। उन्होंने सोचा कि मैं बखेड़ा बनाऊंगी और मदद मांगूंगी। हालांकि, एक्स बिग बॉस विनर ने निर्माता के नाम का खुलासा नहीं किया। उन्होंने कहा, वह हिंदी फिल्म उद्योग से थे। मैं वो सीन को करने के लिए सहमत हो गई क्योंकि वह भी एक एक्टर थे। उन्होंने आगे कहा, मैं झूठ नहीं बोल रही हूं, लेकिन मैं उनका नाम नहीं ले सकती। उनके बच्चे शायद मुझसे थोड़े छोटे हैं और अगर मैं उनका नाम रखूंगा तो उन्हें भी तकलीफ होगी। टीवी की भाभीजी ने आगे कहा, सालों बाद मैं फिर एक बार उनसे टकरा गई। उन्होंने मेरे से बड़े प्यार से बात की। उन्होंने मुझे नहीं पहचाना और यहां तक कि मुझे एक फिल्म में रोल की पेशकश भी की। लेकिन मैंने साफ तौर पर मना कर दिया।

ट्रेन नहीं चलता-फिरता होटल, घुस गए तो नहीं होगा उतरने का मन

दुनिया में ऐसी कई अनोखी ट्रेनें हैं जिन्हें देखकर आपको हैरानी होगी क्योंकि ये ट्रेनें आपको चलते-फिरते होटल का अनुभव देती हैं। भारतीयों के लिए ऐसी ट्रेनें हैरान करने वाली बात नहीं हैं क्योंकि हमें पैलेस ऑन व्हील जैसी ट्रेनों को देखने की आदत है जो हमारे देश की शान है। पर विदेशों में भी कई ऐसी ट्रेनें हैं, जिन्हें अंदर से एक बार आपने देख लिया, या फिर अगर आप उनके अंदर घुस गए, तो निश्चित तौर पर आपको उस ट्रेन से बाहर आने का मन नहीं करेगा। ऐसी ही एक ट्रेन जापान में है। इस ट्रेन का बाथरूम इतना बड़ा है, उसे देखकर आपको ऐसा लगेगा जैसे वो काफी बड़ा रिहायशी प्लॉट हो! ट्विटर अकाउंट @gunsnrosesgirlx पर अक्सर हैरान करने वाले वीडियोज पोस्ट किए जाते हैं। हाल ही में ऐसा ही एक वीडियो शेयर किया गया है जिसमें एक ट्रेन नजर आ रही है। ये ट्रेन जापान में चलती है और इसका नाम है साफिर ओडोरिको। ये ट्रेन नहीं एक प्रकार का अनुभव है, जिसे हर किसी को एक न एक बार जरूर उठाना चाहिए। ये ट्रेन टोक्यो से चलती है और इजू प्रायद्वीप तक जाती है। रास्ते में बेहद खूबसूरत नजरे भी देखने को मिलते हैं। इस वीडियो को 88 लाख व्यूज मिल चुके हैं और कई लोगों ने कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दी है। एक ने कहा कि जापान पूरी दुनिया से 50 साल आगे चल रहा है। एक ने कहा कि वो सिर्फ जापान में रहकर ऑनलाइन नजर आने वाली ऐसी चीजों का अनुभव लेना चाहता है। एक ने कहा कि जापान हर चीज एक कदम आगे करता है।

अजब-गजब | इस मीनार को बनाने में लग गये थे 199 साल

असामान्य झुकाव के लिए मशहूर है पीसा की मीनार

आपने पीसा की झुकी हुई मीनार के बारे में जरूर सुना होगा। पर क्या आप इसके बारे में इतना ही जानते हैं? बेशक इसकी खास बात इसका झुकाव और उसके बावजूद आज भी टिके रह पाना है,लेकिन कम लोग ही हैं जो इससे ज्यादा जानते हैं। अधिकांश लोग इसे झुकाव के कारण इसे अजूबे के तौर पर देखने आते हैं, लेकिन यह इससे भी कहीं कुछ अधिक है। इसके बारे में कई बातें आपको हैरान कर देंगी पीसा की झुकी हुई मीनार की ऊंचाई एक आकर्षक पहलू है। झुकाव के कारण मीनार ऊपर की तरफ से लगभग 56 मीटर और नीचे की तरफ से 57 मीटर ऊंची है। मीनार का वजन लगभग 14500 मीट्रिक टन है। इसमें आठ मंजिलें हैं, जिसमें सात घंटियों के लिए कक्ष भी शामिल है। हर घंटी को एक संगीत नोट पर ट्यून किया जाता है।

ये तो सब जानते है कि यह मीनार अपने असामान्य झुकाव के लिए मशहूर है, पर ऐसा क्यों है यह भी अपने आप में कम उलझी कहानी नहीं है। मोटे तौर पर माना जाता है कि मीनार इसलिए झुकी हुई है क्योंकि इसकी नींव नरम, अस्थिर मिट्टी पर बनाई गई थी। यहां तक इसे बनाने वाले विशेषज्ञ को मिट्टी की इंजीनियरिंग की जानकारी नहीं थी। यह मिट्टी मीनार के वजन को सहन नहीं कर सकी, जिससे यह समय के साथ झुकती चली गई। लेकिन इसके झुकाव का अपना खासा इतिहास है।

मीनार का निर्माण 1173 में शुरू हुआ था,

लेकिन तीसरी मंजिल से ही झुकाव स्पष्ट हो गया। यह बात कम लोगों को पता है। झुकाव को ठीक करने के प्रयास सदियों से चल रहे हैं, इंजीनियरों ने इसे स्थिर करने के लिए विभिन्न तरीकों का इस्तेमाल किया है। उस समय यह न जानते हुए कि आगे क्या करना है, बिल्डरों ने लगभग एक सदी तक निर्माण रोक दिया था। तमाम प्रयासों के बावजूद, मीनार अभी भी झुकी हुई है, जो इसे दुनिया की सबसे प्रसिद्ध वास्तुशिल्प विचित्रताओं में से एक बनाती है।

झुकाव ही वह बात है जो मीनार को इतना मशहूर किया है। जब सबसे पहले झुकाव देखा गया, तो यह न जानते हुए कि आगे क्या करना है, बिल्डरों ने लगभग एक सदी तक निर्माण रोक दिया। इसके साथ ही, 1173 और 1372 के बीच, पीसा गणराज्य अक्सर महत्वपूर्ण लड़ाइयों में शामिल हो गया, जिसने निर्माणकर्ताओं को लंबे समय तक काम रोकने के लिए मजबूर किया। पीसा की झुकी हुई मीनार को पूरा होने में आश्चर्यजनक रूप से 199 साल लग गए। क्या आप ये बात जानते थे कि टावर का झुकाव एक ही दिशा में नहीं था। मजेदार बात यह है कि एक समय पर टावर का झुकाव अपनी दिशा बदल गया था। जबकि कई इंजीनियरों ने सालों तक झुकाव को ठीक करने की कोशिश की, लेकिन जब उन्होंने तीसरी मंजिल पर निर्माण फिर से शुरू किया तो गुरुत्वाकर्षण का केंद्र बिगड़ गया और टावर उत्तर की ओर झुकने लगा। सौभाग्य से, चौथी, पांचवीं, छठी और सातवीं मंजिलों के ढेर के साथ, टावर अपने दक्षिण की ओर झुकाव पर वापस आ गया और तब से वैसा ही बना हुआ है। माना जाता है कि फासीवाद के संस्थापक और इटली के तानाशाह बेनिटो मुसोलिनी ने पहले से ही खराब स्थिति को और खराब कर दिया था। 1934 में, उन्होंने कहा कि उन्हें पीसा की झुकी हुई मीनार पर शर्म आती है, उन्होंने इसके निर्माण और डिजाइन को राष्ट्रीय अपमान बताया। इसे ठीक करने के प्रयास के लिए उन्होंने आदेश दिया कि मीनार को सीधा करने के लिए संसाधन आवंटित किए जाएं और मीनार की नींव में सैकड़ों छेद किए जाएं। विचार यह था कि इसके झुकाव को ठीक करने के प्रयास में इसमें टन भर ग्राउट डाला जाए, इसके बजाय, इसने आधार को भारी बना दिया और मीनार पहले से भी अधिक झुक गई।

असंवेदनशीलता की शिकार हो रहीं महिलाएं : राहुल

महिलाओं से बर्बरता पर नेता प्रतिपक्ष ने सरकार पर साधा निशाना

» बोले- सामाजिक, राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर सख्त कदम उठाए जाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मध्य प्रदेश के उज्जैन और उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर में महिलाओं के खिलाफ हुई बर्बरता को मानवता पर कलंक बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रचार-प्रधान सरकारों ने एक असंवेदनशील व्यवस्था को जन्म दिया है, जिसका सबसे बड़ा शिकार महिलाएं हो रही हैं। राहुल गांधी की यह टिप्पणी उज्जैन के अगर नाका इलाके में एक कचरा बीनने वाली महिला के साथ बलात्कार और सिद्धार्थनगर में एक महिला के साथ एक एम्बुलेंस चालक और उसके साथी द्वारा कथित रूप से यौन उत्पीड़न के बाद आई है।

सिद्धार्थनगर की घटना में महिला ने अपने गंभीर रूप से बीमार पति को घर ले जाने के लिए निजी एम्बुलेंस किराए पर ली थी। गांधी ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर हिंदी में एक पोस्ट में कहा कि उज्जैन और सिद्धार्थनगर में महिलाओं के खिलाफ बर्बरता मानवता पर कलंक है। महिलाओं के खिलाफ लगातार बढ़ते अपराध और पुलिस प्रशासन का पीड़िता और उसके परिवार के प्रति रवैया, इस व्यवस्था की क्रूरता का प्रमाण है। यह देश के लिए गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि प्रचार आधारित सरकारों ने अपने झूठे छवि निर्माण के लिए असंवेदनशील व्यवस्था को जन्म दिया है, जिसका सबसे बड़ा शिकार महिलाएं हो रही हैं। राहुल गांधी ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए समाज के नैतिक उत्थान की दिशा में गंभीर प्रयास करने का समय आ गया है। उन्होंने सामाजिक, राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर सख्त कदम उठाने की मांग की।

पवित्र भूमि पर मानवता शर्मसार हुई : प्रियंका

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी उज्जैन में फुटपाथ पर दिनदहाड़े एक महिला के साथ बलात्कार की घटना को बेहद भयावह बताया। उन्होंने कहा कि आज पूरा देश स्तब्ध है कि हमारा समाज किस दिशा में जा रहा है। रिपोर्टों के अनुसार, वहां से गुजर रहे लोग महिला को बचाने के बजाय वीडियो बना रहे थे। उज्जैन की पवित्र भूमि पर इस तरह की घटना से मानवता शर्मसार हो गई है।

सरकारी नौकरियों में एससी, एसटी से नीचे हैं मुसलमान : दिग्विजय

पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने कहा कि यह देश सबका है आज भी आबादी के केवल 74 फीसदी मुस्लिम साक्षर हैं। यह शेड्यूल कास्ट (एससी), शेड्यूल ट्राइब (एसटी) से देखेंगे, तो उनके लगभग बराबर हो जाता है, लेकिन सरकारी नौकरियों में एससी और एसटी से मुस्लिम बहुत नीचे हैं। दिग्विजय सिंह ने कहा कि किसी भी देश को तरक्की करना है, तो शिक्षा और स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना चाहिए, क्योंकि भविष्य इस पर निर्भर करता है। आज देख रहे हैं कि एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस में पद खाली पड़े हैं। कॉन्ट्रैक्ट पर शिक्षक अपॉइंट किए जा रहे हैं। प्रोफेसर की पोस्ट खाली हैं। अब जो कॉन्ट्रैक्ट पर है, वह क्या पढ़ाएगा? क्या क्वालिटी दे पाएगा? सरकार ने एक्सेस प्रोवाइड कर दिया, लेकिन जब तक उसमें क्वालिटी आफ एजुकेशन नहीं आएगा, तब तक प्रतियोगिता में कहां तक पहुंच पाएगा? हमारे यहां नरसिंहपुर के मामले में कहां जाता था कि पढ़ा लिखा ना होय, नरसिंहपुरिया होय। आज वॉइस चांसलर की यह हालत हो रही है कि पढ़ा लिखा ना होए आरएसएसिया होय। आज जितना करप्शन एजुकेशन सिस्टम में हो रहा है, उतनी हम कल्पना भी नहीं कर सकते।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने पुलिस को लगाई फटकार

» शिवसेना यूबीटी नेता की हत्या के मामले की जांच सीबीआई को ट्रांसफर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने केंद्रीय जांच ब्यूरो को निर्देश दिया कि वह पूर्व शिवसेना (यूबीटी) पार्षद अभिषेक घोसालकर की हत्या की जांच करे, यह देखने के बाद कि मुंबई पुलिस की जांच में खामियां और ढीले सिरे थे। न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने पार्षद की पत्नी तेजस्वी घोसालकर की याचिका पर सुनवाई की, जिसमें पुलिस की जांच के मुद्दे उठाए गए और मामले की सीबीआई जांच का अनुरोध किया गया।

पीठ ने कहा कि मामले के कुछ पहलुओं की ठीक से जांच नहीं की गई जिससे न्याय की विफलता हो सकती है। हाईकोर्ट ने कहा कि हमने की गई जांच का अध्ययन किया है और पाया है कि कुछ ढीले सिरे/क्षेत्र हैं जिनकी पुलिस ने जांच नहीं की है। अदालत ने आदेश दिया कि मामले की गहन जांच सुनिश्चित करने के लिए मामले को सीबीआई को स्थानांतरित कर दिया जाए, जिससे न्याय मिलेगा। पीठ ने कहा कि जांच से जुड़े कागजात दो सप्ताह के भीतर सीबीआई को सौंपे जाएं। अभिषेक की जघन्य हत्या को 8 फरवरी को फेसबुक लाइव सत्र के दौरान पूर्व बोरीवली कार्यालय में स्थानीय व्यवसायी मौरिस नोरोन्हा द्वारा गोली मारने के बाद लाइव कैप्चर किया गया था। हत्या के बाद मौरिस ने खुद को भी गोली मारकर आत्महत्या कर ली।

शराब नीति में बदलाव केजरीवाल के इशारे पर हुआ : सीबीआई

» एजेंसी ने नई सप्लीमेंट्री चार्जशीट में लगाया आरोप- रिश्वत मांगी गई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े सीबीआई भ्रष्टाचार मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। इस मामले में सीबीआई की ओर से दायर पूरक आरोपपत्र में खुलासा हुआ है कि जब शराब नीति बनाने की शुरुआत हुई तो तभी से केजरीवाल इसमें शामिल थे। शराब नीति के निर्माण और इसमें बदलाव के लिए आपराधिक साजिश में शामिल थे।

बता दें कि इस मामले में पांचवीं और अंतिम चार्जशीट दाखिल करने के साथ अपनी जांच पूरी करते हुए सीबीआई ने आरोप लगाया

है कि केजरीवाल के पास पहले से ही आबकारी नीति का निजीकरण करने का पूर्व-निर्धारित विचार था। जिसे भ्रष्टाचार के आरोपों के सामने आने के बाद रद्द कर दिया गया। मार्च 2021 के महीने में अपनी पार्टी आप के लिए मौद्रिक समर्थन की मांग की, जब सह-आरोपी मनीष सिसोदिया की अध्यक्षता वाले GoM द्वारा नीति तैयार की जा रही थी।

मुझे चुप कराने की कोशिश कर रही सरकार

» उमर अब्दुल्ला बोले- मेरे खिलाफ उतारे जा रहे स्वतंत्र उम्मीदवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार उन्हें चुप कराने की कोशिश कर रही है। विधानसभा चुनाव में उनके खिलाफ स्वतंत्र उम्मीदवार उतारे जा रहे हैं। लोकसभा चुनाव में बारामुला से इंजीनियर रशीद उनके खिलाफ खड़े थे। उन्होंने जेल में रहते हुए पर्चा दाखिल किया। जेल से अपना संदेश रिकॉर्ड किया और भावनाओं के आधार पर वोट मांग मुझे हराया। गांदरबल में एक चुनावी रैली में उमर ने कहा कि अब गांदरबल से विधानसभा चुनाव लड़ने का फैसला किया तो जेल में बंद सरजन बरकती उनके खिलाफ चुनाव लड़ने जा रहे हैं।

मुझे यह सोचने पर मजबूर होना पड़ा

कि इन लोगों को क्यों उनके ही खिलाफ खड़ा किया जाता है। यह घटना दिखाती है कि केंद्र सरकार कश्मीर में उन्हें दबाने की कोशिश कर रही है। उमर ने कहा, मै लोगों के हित में बोलता हूं, उनके मुद्दे उठाता हूं। हमारी गरिमा के बारे में बात करता हूं, जो हमसे छीन ली गई है। भाजपा को यह पसंद नहीं। यही कारण है कि मेरे खिलाफ साजिश रची जा रही है।

भाजपा के साथ गठबंधन नहीं

पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने विशेषकर कश्मीर क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ गठबंधन करने वाले राजनीतिक दलों की विश्वसनीयता पर संदेह व्यक्त किया। अब्दुल्ला ने भाजपा के साथ अपने पिछले सहयोग पर भी विचार किया, क्योंकि उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वर्तमान स्थिति में दोनों पार्टियां घाटी के लिए जो चाहती हैं, उसके लिए कोई मिलन स्थल नहीं है। पूर्व सीएम ने पिछले चुनावों में निर्दलियों की भागीदारी पर जोर दिया, लेकिन राजनीतिक संगठनों के तेजी से बढ़ने की ओर भी इशारा किया। अब्दुल्ला ने कहा कि जो बदल रहा है वह कुछ हद तक राजनीतिक संगठनों का उभरना है, लेकिन काफी हद तक संसद चुनावों ने उनके लिए माहौल खराब कर दिया है। उन्होंने अल्ताफ बुखारी के नेतृत्व वाली अपनी पार्टी को इसका प्रमुख उदाहरण बताते हुए इन पार्टियों की सफलता की कमी की ओर भी इशारा किया। उदाहरण के लिए, जिस पार्टी को दिल्ली ने इतना महत्व दिया, अपनी पार्टी, अल्ताफ बुखारी को लेते हैं। पीडीपी वस्तुतः अलग हो गई और अपनी पार्टी के रूप में एक तरह से सुधार हुआ। आज अपनी पार्टी के पास लगभग कोई नहीं है। उन्होंने अपनी पार्टी खो दी है।

नेकां उपाध्यक्ष ने कहा, ये चुनाव सभी के लिए महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि 10 साल बाद हो रहे हैं।

निलंबन की बात छुपा नगर निगम में सेवा दे रहा बाबू

» 18 साल पहले भ्रष्टाचार के आरोप में किया गया था सस्पेंड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम में एक से बढ़कर एक भ्रष्टाचार सामने आ रहा है। नया मामला जोन 7 से जुड़े एक बाबू हो है। बताया जा रहा है कि सत्यव्रत यादव नामक बाबू ने अपना सर्विस बुक ही गायब कर दिया है। जिससे कि उसके पिछले भ्रष्टाचार की जानकारी न हो पाए। यह भी आरोप है कि उसने दूसरा बुक तैयार कर लिया है। इस दौरान विभाग को भी फर्जीवाड़ा कर आर्थिक नुकसान पहुंचाया गया है।

दरअसल, सत्यव्रत को साल 2006 में सस्पेंड किया गया था। आरोप था कि उस समय इसने सफाई कर्मचारियों का

कर्मचारी ने छिपा लिया अपना सर्विस बुक

पैसा मार लिया था। सस्पेंड करने के दौरान इसके तमाम भत्ते बंद कर दिए गए थे। संविदा कर्मचारियों को यह परेशान करता था। यहा तक की जांच के दौरान सत्यव्रत ने आरोप को स्वीकार भी कर लिया था। उस समय इसका वेतन रोकने के सस्पेंशन वापस किया गया था। उसके बाद वह विभाग में लगातार भ्रष्टाचार करता रहा है। इसमें आला अधिकारियों का भी उसको सहयोग रहता है। यहां तक की अपने रसूख का इस्तेमाल कर कई करीबियों को फर्म बनवा दिया है। जिनको काम दिलाने का पूरा खेल नगर निगम में चलता है। मौजूदा समय सत्यव्रत यादव अधिष्ठान विभाग में है। इस विभाग से ही सभी प्रमुख कागज बनते है। नगर निगम सूत्रों का कहना है कि वहां भी बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार चल रहा है। इसमें ठेकेदारों से लेकर विभाग के लोगों से ही वसूली होती है। सत्यव्रत का व्यवहार भी विभाग या बाहरी लोगों को लेकर ठीक नहीं है।

दो बार सस्पेंड होने वाले फीटर से नगर निगम ले रहा फोर मैन का काम

लखनऊ नगर निगम में भ्रष्ट कर्मचारियों की बोल बाला अभी भी जारी है। आरआर विभाग के फीटर ललित कुमार को फोर मैन का काम दे दिया गया है। सभी नियमों को ताख पर रखते हुए यह किया है। ललित कुमार को दो बार पहले भ्रष्टाचार के आरोप में सस्पेंड किया जा चुका है। एक बार साल 2019 में तब के नगर आयुक्त इंद्रमणि त्रिपाठी ने सस्पेंड किया। उसके बाद तमाम सांठ-गांठ के बाद उसने अपनी बहाली कराई। फिर साल 2021 में दूसरे नगर आयुक्त अजय द्विवेदी ने ललित को सस्पेंड किया था। हालांकि अपने तबादले से पहले उन्होंने बहाल भी कर दिया था। इस बीच ललित पर लगातार भ्रष्टाचार और मानक को दर किनार को काम करने का आरोप लगता आ रहा है। फीटर का काम गाड़ी बनाना होता है। वहां 7 लोग इस पद पर है। इनको छोड़ सभी यही काम करते है। लेकिन ललित को एसी रुम में बैठाकर फाइल साइन कराने का काम कराया जा रहा है।

दो दक्षिणी राज्यों में मचा है सियासी बवाल

केरल में एडीजीपी के आरएसएस के शीर्ष नेता से मुलाकात पर राजनीति गरमाई कांग्रेस-लेफ्ट भिड़े, तमिलनाडु में राज्यपाल एन रवि पर भड़के द्रमुक के मंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोच्चि। केरल में आईपीसी अधिकारी और राज्य के एडीजीपी एम आर अजित कुमार की आरएसएस के वरिष्ठ नेता से मुलाकात पर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब एडीजीपी ने आरएसएस नेता से मुलाकात पर जो स्पष्टीकरण दिया है, उसे लेकर भी विवाद हो गया है। सत्ताधारी सीपीआईएम और कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ गठबंधन ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।

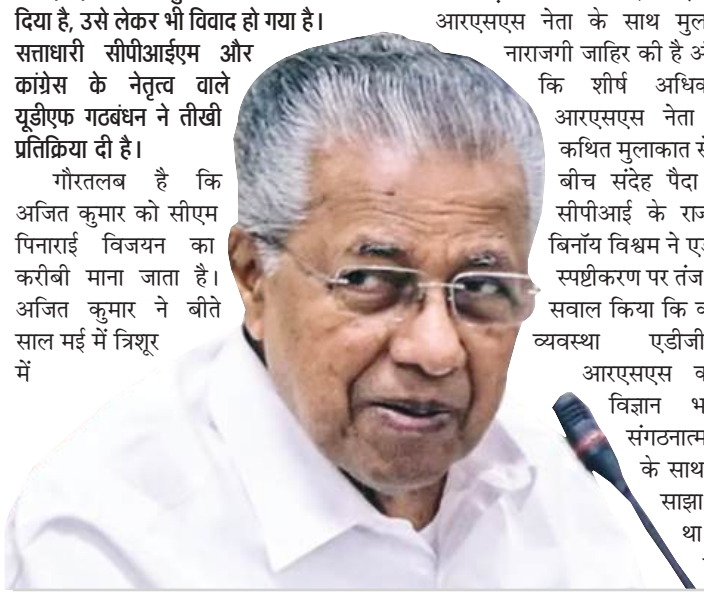

गौरतलब है कि अजित कुमार को सीएम पिनाराई विजयन का करीबी माना जाता है। अजित कुमार ने बीते साल मई में त्रिशूर में आरएसएस महासचिव दत्तात्रेय होसबोले से मुलाकात की थी। अब विवाद होने पर अजित कुमार ने इस मुलाकात को निजी मुलाकात बताया है।

वहीं लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी सीपीआई ने एडीजीपी की आरएसएस नेता के साथ मुलाकात पर नाराजगी जाहिर की है और कहा है कि शीर्ष अधिकारी की आरएसएस नेता के साथ कथित मुलाकात से लोगों के बीच संदेह पैदा होता है। सीपीआई के राज्य सचिव बिनॉय विश्वम ने एडीजीपी के स्पष्टीकरण पर तंज कसते हुए सवाल किया कि कानून और व्यवस्था एडीजीपी ने आरएसएस की शाखा विज्ञान भारती के संगठनात्मक नेताओं के साथ क्या ज्ञान साझा किया था। उन्होंने कहा कि राज्य के लोग स्वभाविक रूप से सोचेंगे कि एडीजीपी ने आरएसएस नेताओं क्यों मुलाकात की और उनकी गुप्त बैठक का क्या कारण था।

त्रिशूर में भाजपा उम्मीदवार की मदद को मिले : मुरलीधरन

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के मुरलीधरन ने एडीजीपी के कथित स्पष्टीकरण पर सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि कौन सी व्यक्तिगत यात्रा? आरएसएस एक ऐसा संगठन है जो एलडीएफ और यूडीएफ दोनों का ही विरोधी है। मुख्यमंत्री के अधीन एक आईपीएस अधिकारी ने ऐसे संगठन के राष्ट्रीय नेता से मुलाकात की थी। क्या उन्हें यात्रा से पहले सीएम या डीजीपी को सूचित नहीं करना चाहिए था? उन्होंने आरोपों की न्यायिक जांच की भी मांग की। वहीं वामपंथी नेताओं ने कहा है कि एडीजीपी माकपा नेता नहीं हैं, ऐसे में पार्टी को इस पर सफाई क्यों देनी चाहिए।

तमिलनाडु के सरकारी स्कूलों की शिक्षा दयनीय : राज्यपाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। राजभवन में शिक्षक दिवस के संबंध में एक कार्यक्रम में बोलते हुए, राज्यपाल रवि ने चिंता जताई और दावा किया कि तमिलनाडु में शिक्षा की नींव कमजोर हो गई है और शिक्षण का मानक राष्ट्रीय औसत से बहुत नीचे गिर गया है। राज्यपाल ने कहा कि उन्हें बिना किसी प्रतिबंध के डिग्री और प्रमाणपत्र देकर हम उन्हें बेरोजगार और उपयोगी नहीं बना रहे हैं। राज्यपाल रवि ने स्कूलों और कॉलेजों में सिंथेटिक और रासायनिक दवाओं की कथित उपलब्धता का मुद्दा भी उठाया और इसे बहुत गंभीर समस्या बताया।

तमिलनाडु के राज्यपाल ने राज्य की शिक्षा प्रणाली पर ताजा हमला करते हुए दावा किया है कि खराब गुणवत्ता वाली शिक्षा बच्चों को बेकार बना रही है। राज्यपाल आरएन रवि ने दावा किया कि 75 प्रतिशत छात्र दो अंकों की संख्या पहचानने में असमर्थ हैं और आरोप लगाया कि सरकारी स्कूलों में शिक्षण और शिक्षा दयनीय स्थिति में है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राज्य भर के शैक्षणिक संस्थानों में बड़े पैमाने पर दवाओं का वितरण हो रहा है।

उदयनिधि स्टालिन ने किया पलटवार

स्कूली शिक्षा प्रणाली के बारे में राज्यपाल रवि की टिप्पणी उसी दिन आई जब द्रमुक मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने राज्य बोर्ड पाठ्यक्रम की आलोचना करने के लिए उन पर पलटवार किया। तमिलनाडु राज्य पाठ्यक्रम छात्रों को गंभीर रूप से सोचने और प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित करता है, उदयनिधि स्टालिन ने बताया कि राज्य बोर्ड के तहत शिक्षित लोगों में से कई ने महान चीजें हासिल की हैं।

सियालदह कोर्ट ने लगाई सीबीआई को फटकार

- **कोलकाता रेप कांड में कार्रवाई जारी**
- **संदीप घोष के बंगले पर ईडी की छापेमारी**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी महिला डॉक्टर के बलात्कार के बाद हत्या मामले में पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष सवालों के घेरे में हैं। घोष अब वित्तीय अनियमितताओं को लेकर भी फंसे हुए हैं। पूर्व प्रिंसिपल सीबीआई के बाद अब ईडी के जांच के घेरे में हैं। ईडी अब घोष के आलीशान बंगले की जांच में जुटी है। कथित वित्तीय अनियमितताओं के लिए वर्तमान में सीबीआई की हिरासत में घोष के राज खोलने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पश्चिम बंगाल में उनके कई ठिकानों पर छापेमारी कर चुकी है।

उधर सियालदह कोर्ट ने इस मामले में सीबीआई को फटकार लगाई है। कोर्ट ने सीबीआई को तल्ख लहजे में कहा कि अगर ऐसा ही है तो क्या हम आरोपी को जमानत दे दें। दरअसल, कोर्ट की इस टिप्पणी की सबसे बड़ी वजह रही कोर्ट रूम में सीबीआई के जांच अधिकारी और वकील की गैर-मौजूदगी। कोर्ट में जैसे ही आरोपी संजय रॉय की जमानत को लेकर सुनवाई हुई तो कोर्ट रूम में सीबीआई के वकील और जांच अधिकारी करीब 40 मिनट की देरी से पहुंचे। देरी से आने पर कोर्ट ने दोनों को फटकार लगाते हुए कहा कि आपका ये रवैया कहीं से भी सही नहीं है। अगर आप इस मामले को गंभीरता से नहीं ले सकते और आपका रवैया ऐसे ही सुस्त बना रहेगा तो क्या हम आरोपी को जमानत दे दें।

संदीप घोष ही है मुख्य साजिशकर्ता : दिलीप

भाजपा नेता दिलीप घोष ने कहा है कि आरजी कर मामले में संदीप घोष को लेकर जिस तरह की जानकारी सामने आ रही है उससे पता चलता है कि वह लंबे समय से रैकेट में शामिल था। जैसे जैसे जांच आगे बढ़ेगी तो और भी नाम सामने आएंगे। संदीप घोष ही आरजी कर के भ्रष्टाचार और हिंसा के मामले में मुख्य साजिशकर्ता है।

डॉक्टर आंदोलन चलाएं पर सेवा भी दें : अभिषेक बनर्जी

पश्चिम बंगाल के कोननगर के 28 वर्षीय बिक्रम भट्टाचार्जी की ट्रक की चपेट में आने से शुक्रवार को कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में मौत हो गई, जिससे विवाद खड़ा हो गया है। यह घटना उस दिन हुई जब राज्य के स्वास्थ्य विभाग को कथित तौर पर डॉक्टरों के संयुक्त मंच के आंदोलन के बाद कोलकाता के सभी पांच मेडिकल कॉलेजों में हेल्प डेस्क बंद करने पड़े। तृणमूल कांग्रेस के सांसद कुणाल घोष ने मीडिया रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए सोशल मीडिया पर दावा किया कि बिक्रम भट्टाचार्जी को उचित इलाज नहीं मिला। वहीं टीएमसी सांसद और राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कहा कि मैं डॉक्टरों से इस तरह से विरोध करने का आग्रह करता हूं जिससे आवश्यक चिकित्सा सेवाएं बाधित न हों। रोकथाम योग्य उपेक्षा के कारण मृत्यु की अनुमति देना गैर इरादतन हत्या के समान है। यदि विरोध जारी रखना है, तो इसे रचनात्मक रूप से, सहानुभूति और मानवता के साथ किया जाना चाहिए, यह सुनिश्चित करते हुए कि निष्क्रियता या उपेक्षा के कारण और अधिक लोगों की जान जोखिम में न पड़े।

बिहार में फिर शर्मसार हुई मानवता

- **समस्तीपुर में मजदूर को खंभे से बांधकर बाल काटे**
- **चोरी के शक में मजदूर को पकड़ा था**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

समस्तीपुर। बिहार से दिल को दहलाने व मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। समस्तीपुर के मथुरापुर थाना के नागरबस्ती के महराजगंज टोला में आक्रोशित भीड़ का एक अमानवीय कृत्य सामने आया है। जहां एक मजदूर पर चोरी का आरोप लगा भीड़ ने उसे बिजली के खंभे से बांधकर पहले उसकी जमकर पिटाई की। इसके बाद उसके सिर व मूंछ के आधे बाल काट दिए।

घटना गुरुवार की दोपहर की बताई गई।

पीड़ित की पहचान उसी गांव का राजघाट टोला के दिवंगत जितेंद्र कुमार महतो का पुत्र महेश कुमार महतो (32) के रुप में हुई।

जानकारी के अनुसार भीड़ ने उसके ऊपर गुरुवार की देर शाम एक घर में चोरी करने की नियत से पहुंचने का आरोप लगा घटना को अंजाम दिया। युवक पंचायत को जा रहा था। इसी बीच उसे कुछ लोगों ने पकड़ लिया। इसके बाद उसे मारते-पीटते हुए घटनास्थल पर लेकर पहुंचे। जहां उसे बिजली खंभा से बांधकर लोगों ने उसके मूंछ व सिर के आधे बाल काट दिए। सूचना पर पहुंचे स्वजनों ने उसे भीड़ से मुक्त करा इलाज को ले गए और सदर अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उसका उपचार जारी है।

पीड़ित मजदूर बोला- मैं हलवाई का काम करता हूं

इधर अस्पताल में पीड़ित महेश ने बताया कि वह हलवाई का काम करता है। ठेकेदार बैजनाथ साह के यहां उसका आठ हजार तीन सौ रूपया बकाया था। बकाया पैसा मांगने वह ठेकेदार के घर गुरुवार की शाम को गया था। जहां पैसा नहीं मिला। बाद ठेकेदार ने उसे फोन कर सरपंच के सामने पैसा देने की बात कही। सरपंच के यहां आने को कहा गया और वह वहां जा ही रहा था। इसी बीच ठेकेदार के अलावा उसके साथ रहे 15-20 लोगों ने उसे पकड़ कर मारपीट करना शुरू कर दिया।

मप्र में एसयूवी के ट्रक से टकराने से चार लोगों की मौत, छह घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश के विदिशा जिले में शनिवार तड़के एक एसयूवी के ट्रक से टकराने से उसमें सवार राजस्थान के चार लोगों की मौत हो गई, जबकि छह अन्य घायल हो गए। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना लातेरी थाना क्षेत्र में ब्यावरा-बीना राजमार्ग पर तड़के करीब चार बजे हुई।

- **तीर्थयात्रा से लौट रहे थे लोग**

उन्होंने कहा, राजस्थान के झालावाड़ से सात महिलाओं समेत 10 लोगों का एक समूह तीर्थयात्रा से लौट रहा था, तभी उनकी एसयूवी एक ट्रक से टकरा गई। इस दुर्घटना में दो महिलाओं और दो पुरुषों की मौत हो गई। अधिकारी के मुताबिक, मृतकों की पहचान किशनलाल लोढ़ा (60), विनोद कुमार माली (34), वर्दी बाई लोढ़ा (70) और राजबाई भील (48) के रूप में हुई है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इस हादसे पर दुख जताया। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, विदिशा जिले के लटेरी ब्लॉक में बागेश्वर धाम से लौटते समय सड़क दुर्घटना में राजस्थान के झालावाड़ जिले के चार लोगों की मौत का दुखद समाचार प्राप्त हुआ। जिला प्रशासन को गंभीर रूप से घायलों को समुचित उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। यादव ने कहा कि राज्य सरकार पीड़ितों के परिजनों को उचित आर्थिक सहायता प्रदान करेगी।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।